Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 73 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 31 अगस्त 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

**सुविचार**

जिसे हमें प्राप्त करना है, उसे प्राप्त करो, बाहर की ये सारी वस्तु अपने आप छुट जायेंगी।

Get that what we wish to get, all external things are going to be left out automatically.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी पर्युषण-पर्व की शुभकामनाएं

**रायपुर (विश्व परिवार)।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों विशेषकर जैन धर्म के अनुयायियों को पर्युषण-पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व जैन समाज का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। मान्यता है कि भगवान महावीर ने इस त्यौहार के दौरान अपनी शिक्षाएं दीं और जैन धर्म के मुख्य सिद्धांतों को प्रतिपादित किया। पर्युषण पर्व मनाने का मूल उद्देश्य आत्मा को शुद्ध बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होता है। यह महापर्व आत्मविशुद्धि, संयम, त्याग और आत्मचेतना को विकसित करने का अवसर देता है। यह पर्व अहिंसा, दया, क्षमा, प्रेम की राह पर चलना सिखाता है।

### गुजरात में बारिश और बाढ़ के बाद तूफान असना का खतरा

**अहमदाबाद (आरएनएस)।** गुजरात में जहां एक ओर बारिश और बाढ़ तबाही मचा रही है वहीं चक्रवाती तूफान असना का भी खतरा मंडरा रहा है। कच्छ क्षेत्र के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके चलते जिले में अधिकारियों ने झोपड़ियों और अस्थायी घरों में रह रहे लोगों को स्कूलों, मंदिरों या अन्य इमारतों में आश्रय लेने को कहा है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद, कच्छ के जिलाधिकारी ने कच्चे घरों को छोड़कर किसी स्कूल या अन्य इमारतों में शरण लेने के लिए कहा।

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया

### मूर्ति गिरने की घटना पर बोले पीएम मोदी- शिवाजी महाराज से सिर झुकाकर माफी मांगता हूं

**मुंबई (आरएनएस)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर में शुक्रवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए 26 अगस्त को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने की घटना के लिए माफी मांगी.

उन्होंने मालवन में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने की घटना कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे लिए सिर्फ एक नाम नहीं हैं.आज मैं अपने भगवान छत्रपति शिवाजी महाराज से सिर झुकाकर माफी मांगता हूं. हमारे संस्कार अलग हैं, हम वे लोग नहीं हैं जो भारत माता के महान सपूत, इस धरती के सपूत वीर सावरकर को गाली देते रहें और उनका अपमान करते रहें. उन्होंने कहा कि जो लोग छत्रपति शिवाजी महाराज को अपना देवता मानते हैं और उन्हें गहरी ठेस पहुंची है, मैं उनसे सिर झुकाकर माफी मांगता हूं. हमारे मूल्य अलग हैं. हमारे लिए हमारे देवता से बड़ा कुछ नहीं है.

पालघर में जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी कहा कि आज भारत की विकास यात्रा के लिए बहुत बड़ा दिन है. विकसित महाराष्ट्र, विकसित भारत के संकल्प का सबसे अहम हिस्सा है. इसलिए, चाहे पिछले10 साल हों या फिर अब मेरी सरकार का तीसरा कार्यकाल, महाराष्ट्र के लिए लगातार बड़े फैसले लिए गए हैं. उन्होंने कहा कि वधावन पोर्ट के उदघाट्न के बाद कहा कि महाराष्ट्र के पास विकास के लिए जरूरी शक्ति और संसाधन मौजूद हैं. आज वधावन पोर्ट की आधारशिला रखी गई है और इस पर 76,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. ये देश का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट होगा. पीएम मोदी ने आगे कहा, पिछले एक दशक में भारत के समुद्री तटों पर विकास ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है, हमने बंदरगाहों का आधुनिकीकरण किया है, जलमार्गों का विकास किया है. इस दिशा में लाखों-करोड़ों रुपये का निवेश किया गया है. निजी निवेश भी बढ़ा है... हमारे युवाओं को इसका लाभ मिल रहा है, उन्हें नए अवसर मिल रहे हैं. आज पूरी दुनिया की नजर वधावन बंदरगाह पर है...इससे इस पूरे क्षेत्र की आर्थिक तस्वीर बदल जाएगी.

इससे पहले पीएम मोदी ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत स्तर पर विभिन्न कदम उठा रही है.

पीएम मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों में 31 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है. एंजल टैक्स को समाप्त करना भी इस क्षेत्र की वृद्धि की दिशा में एक कदम है. एंजल कर (30 प्रतिशत से अधिक की दर से आयकर) का मतलब वह आयकर है जो सरकार गैर-सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप द्वारा जुटाई गई धनराशि पर लगाती हैज्यदि उनका मूल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मूल्य से अधिक है. प्रधानमंत्री ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 को संबोधित करते हुए नियामकों से साइबर धोखाधड़ी रोकने और लोगों की डिजिटल समझ बढ़ाने के लिए और कदम उठाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं के लोकतंत्रीकरण में वित्तीय प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

## सीएम विष्णुदेव साय से जु-जित्सु खिलाड़ियों ने की मुलाकात

**राष्ट्रीय स्तर की प्रथम वेस्ट जोन जु-जित्सु चैंपियनशिप 2024 में जीते दो-दो पदक**

### सानिया परवीन ने सिल्वर और ब्रॉंज तथा शबा परवीन ने गोल्ड और सिल्वर मेडल जीते

### मुख्यमंत्री साय ने शानदार उपलब्धियों के लिए खिलाड़ियों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

**रायपुर (विश्व परिवार)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में जु-जित्सु खिलाड़ी सुश्री सानिया परवीन और सुश्री शबा परवीन ने मुलाकात की। इन खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश के देवास में 19 से 21 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रथम वेस्ट जोन जु-जित्सु चैंपियनशिप 2024 में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉंज मेडल सहित कुल चार पदक जीते हैं। सानिया परवीन ने 21 वर्ष आयु वर्ग में जु-जित्सु कॉन्टेक्ट में सिल्वर और जु-जित्सु फाइटिंग स्पर्धा में ब्रांज मेडल तथा शबा परवीन ने अंडर 16 आयु वर्ग में जु-जित्सु कॉन्टेक्ट में सिल्वर मेडल तथा अंडर 18 आयु वर्ग में जु-जित्सु फाइटिंग स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। इन खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को अपनी उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इन खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सुश्री शबा परवीन ने अपने जन्मदिन 19 जुलाई को अंडर 16 आयु वर्ग की स्पर्धा में सिल्वर मेडल तथा अगले दिन 20 जुलाई को अंडर 18 आयु वर्ग की स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। इन खिलाड़ियों के पिता श्री लतीफ मोहम्मद भी उपस्थित थे।

## ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोले प्रधानमंत्री मोदी- आज भारत में होता है दुनिया का आधा रियल टाइम डिजिटल ट्रांजेक्शन

**मुंबई (आरएनएस)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को मुंबई स्थिति जियो व?र्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में शुरु हुए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024 में शामिल हुए. इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित किया. पीएम मोदी ने कहा कि, भारत में अभी त्योहारों का मौसम है, अभी अभी जन्माष्टमी हमने मनाई है और खुशी देखिए हमारी इकॉनोमी और मार्केट में भी उत्सव का माहौल है. इस फेस्टिव मूड में ये ग्लोबल फिनटेक फैस्टिवल हो रहो रहा है वो भी सपनों की नगरी मुंबई में. प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि, एयरपोर्ट से लेकर फूड और शॉपिंग एक्सपीरियंस तक तक भारत की फिनटेक क्रांति चारों तरफ दिखती है, पिछले 10 साल में फिनटेक स्पेस में 31 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश हुआ है. दस साल में हमारे फिनटेक स्टार्टअप में 500 प्रतिशत वृद्धि हुई है, सस्ते मोबाइल फोन, सस्ते डेटा और जीरो बैलेंस जनधन खातों ने भारत में कमाल कर दिया है. पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक दशक में ही ब्रॉडबैंड यूजर 6 करोड़ से बढ़कर 94 करोड़ हो गए हैं. आज 18 वर्ष से ऊपर का शायद ही कोई भारतीय हो जिसके पास उसकी डिजिटल आइडेंटिटी आधार कार्ड नहीं है. आज 530 मिलियन (53 करोड़) लोगों के पास जनधन खाते हो गए हैं. यानी दस साल में हमने पूरी यूरोपियन आबादी के बराबर लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा है.

## बीजेपी में शामिल हुए झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन

**रांची (आरएनएस)।** झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ साढ़े चार दशकों की राजनीतिक यात्रा को विराम देने के बाद राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शुक्रवार को अपराह्न चार बजे औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

रांची के धुर्वा स्थित शहीद मैदान में आयोजित एक बड़ी जनसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान, चुनाव सह प्रभारी एवं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उनका पार्टी में स्वागत किया। इसके पहले चंपई सोरेन ने कहा कि वह झारखंड के नवनिर्माण का संकल्प लेकर भारतीय जनता पार्टी में आए हैं। चंपई सोरेन के साथ उनके पुत्र बाबूलाल सोरेन और सरायकेला-खरसावां जिला परिषद के अध्यक्ष तथा पार्टी के कद्दावर नेता सोनाराम बोदरा सहित कई लोग भाजपा में शामिल हुए।

## छत्तीसगढ़ उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी को उत्कृष्ट प्रदर्शनी के लिए मिला प्रथम पुरस्कार

### कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

**रायपुर (विश्व परिवार)।** देश की राजधानी नई दिल्ली के भारत मण्डपम में आयोजित राष्ट्र स्टार की प्रदर्शनी एग्रीटेक इनोवेट इंडिया में छत्तीसगढ़ उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी को उत्कृष्ट प्रदर्शनी के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राम विचार नेताम ने स्टॉल प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। उद्यानिकी विभाग के संचालक श्री जगदीशन एस. के मार्गदर्शन में उद्यानिकी एवं वानिकी कृषकों की सफलता की कहानी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है।

गौरतलब है कि नई दिल्ली में 29 से 31 अगस्त तक आयोजित एग्रीटेक इनोवेट इंडिया प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ शासन के उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, विभाग द्वारा भी स्टॉल लगाई गई है। इस स्टॉल में उद्यानिकी उत्पाद पुष्प, फल, सब्जी एवं प्रसंस्कृत उत्पादों से सुसज्जित कर प्रगतिशील कृषकों की सफलता की कहानी प्रदर्शित की गई। स्टॉल में सक्ती जिले की मल्लिका किस्म की आम एवं जेरेनियम का बना हुआ रूम फ्रेशनर आदि प्रसंस्कृत उत्पाद प्रदर्शित किया गया, जो मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रदर्शनी के दूसरे दिन आज छत्तीसगढ़ उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी के स्टॉल को आगंतुकों एवं जनप्रतिनिधियों सहित प्रबुद्धजनों द्वारा काफी सराहना मिल रही है। स्टॉल में दिल्ली सहित अन्य राज्यों के किसान उत्साह के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे हैं।

## रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का भक्तों को तोहफा, गणेश उत्सव पर चलाई जाएंगी 342 स्पेशल ट्रेन

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश में गणपति उत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं. इस मौके पर सरकार ने भी भक्तों को तोहफा दिया है. रेल मंत्री ने प्रेस कॉफ्रेंस कर गणेश उत्सव पर 343 स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है. जिससे भक्तों की सारी परेशानी दूर हो जाएंगी. क्योंकि गणपति उत्सव के दौरान महाराष्ट्र जाने वाली सभी ट्रेनों में भीड़ हो जाती है. जिसके चलते काफी भक्त गणपति उत्सव में शामिल ही नहीं हो पाते हैं. विषय की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है. आपको बता दें कि गणेश उत्सव 7 सितंबर से शुरू हो रहा है. यह उत्सव पूरे 10 दिन चलता है. महाराष्ट्र के लोगों के लिए ये त्योहार बहुत ही महत्व रखता है. गणेश भक्तों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बताया कि अगले महीने गणेश उत्सव के लिए 342 स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाने वाला है. ताकि किसी भी भक्त को परेशानी न उठानी पड़े. ये ट्रेनें 7 सितंबर से ही शुरू कर दी जाएंगी.

## महंगाई भत्ते और एरियस की मांग, 9 सितंबर को एक दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे मंत्रालयीन कर्मचारी संघ

**रायपुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ मंत्रालयीन कर्मचारी संघ केन्द्र के समान महंगाई भत्ता और लंबित एरियर की मांग को लेकर 9 सितंबर को सामूहिक अवकाश लेकर हड़ताल करने जा रहा है. इसे लेकर संघ ने बुधवार को मुख्य सचिव अमिताभ जैन से मुलाकात कर इसकी सूचना दी.

संघ के अनुसार, मुख्य सचिव ने शीघ्र मांग पूरा कराने की दिशा में पहल करने की बात कही है.

इससे पहले मंत्रालयीन कर्मचारी सहित छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी संयुक्त मोर्चा की एक बड़ी बैठक 25 अगस्त को हुई थी, जिसमें जुलाई माह में वित्त मंत्री ने चर्चा के दौरान महंगाई भत्ता/राहत और एरियर का आश्वासन दिया था. लेकिन इसके बाद भी आदेश जारी नहीं होने के कारण सर्वसम्मति से 9 सितंबर को हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया. इस संबंध में मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल ने सामूहिक रूप से शासन को लिखित चेतावनी भी दी थी.

इसी कड़ी में मंत्रालय संघ ने कल दोपहर मंत्रालय डी गेट पर कर्चारियों की आमसभा बुलाई, जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित सभी कर्मचारी-अधिकारियों ने 9 सितंबर को हड़ताल पर जाने का समर्थन किया. इसके बाद मंत्रालय संघ के अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मुख्य सचिव से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी.

कर्मचारियों का कहना है कि छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को विगत 2019 से आज तक महंगाई भत्ते का एरियर्स नहीं मिला है. पूर्ववर्ती सरकार के रास्ते पर चलते हुए अपने घोषणा पत्र मोदी की गारंटी के विपरीत वर्तमान सरकार ने भी विगत मार्च महीने में ठीक आचार संहिता के एक दिन पहले महंगाई भत्ते का आदेश जारी माह से किया और 9 महीने का एरियर्स का कोई उल्लेख नहीं किया, जिससे कर्मचारियों अधिकारियों में आक्रोश की स्थिति है. अब देखने वाली बात यह होगी कि मंत्रालय संघ के हड़ताल की ओर कदम बढ़ाने के बाद सरकार क्या निर्णय लेती है.

## ग्राम हर्राडाँड़ में लगाया गया नया ट्रांसफार्मर

**रायपुर (विश्व परिवार)।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप गांव हो या शहर सभी जगह बिजली की आपूर्ति निर्बाध रूप से संचालित हो इसके लिए के विद्युत विभाग के द्वारा नई लाइन बिछाने के साथ ही समस्या आने पर तत्काल ट्रांसफॉर्मर, केबल और ग्रिप चेंज का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में कुनकुरी विकासखण्ड के ग्राम हर्राडाँड़ में ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी। इसके समाधान के लिए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में आवेदन किया था। कैंप कार्यालय के निर्देश पर तत्काल यहां पर नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है, जिससे बिजली आपूर्ति पुन: बहाल हो गई है।

## जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता जरूरी : राज्यपाल

### राज्यपाल ने पर्यावरण संवर्धन हेतु सभी से एक पेड़ लगाने का किया आह्वान, महासमुंद में ली अधिकारियों की बैठक

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामुदायिक सहभागिता पर जोर देते हुए पर्यावरण संर्वधन के लिए सभी से एक पेड़ लगाने का आह्वान किया है। राज्यपाल श्री डेका ने आज जिला पंचायत महासमुंद के सभाकक्ष में आयोजित प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में यह विचार व्यक्त किया।

राज्यपाल ने बैठक में महासमुंद जिले में विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के अलावा सामाजिक हितों के लिए जिले में किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि सरकार की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाता है। कल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से इसका लाभ जन-जन तक पहुंचता है। उन्होंने अधिकारियों को दायित्वों का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और समर्पण की भावना से करने कहा। राज्यपाल श्री डेका ने एजेण्डावार विषयों पर समीक्षा की साथ ही इस पर प्रशासनिक अधिकारियों को सुझाव भी देने को कहा। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि जल संवर्धन और संरक्षण के लिए सभी शासकीय कार्यालयों में वाटर हार्वेस्टिंग के लिए कार्य किया जाए। यह सुनिश्चित करें कि वर्षा का जल संरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शासकीय अधिकारी और कर्मचारी मानवीय संवेदना को ऊपर रखकर कार्य करें। केन्द्र और राज्य सरकार के सभी फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से किया जाए। योजनाएं तभी कारगर है जब इसका लाभ आम जनता को मिले। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री जी के एक पेड़ मां के नाम पर आह्वान को घर-घर पहुंचाना चाहिए। उन्होंने अपील किया कि प्रत्येक घरों में एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। राज्यपाल ने कहा कि वन विभाग पीपल, गुलमोहर जैसे अन्य छायादार और फलदार पौधें उपलब्ध कराएं। इन्हें सुरक्षित रखते हुए सामुदायिक सहभागिता भी सुनिश्चित करें। उन्होंने औषधीय पौधे लगाने के निर्देश भी दिए।

राज्यपाल ने अधिकारियों को नियमित तौर पर फील्ड विजिट करने के भी निर्देश दिए हैं। टी.बी. मुक्त भारत अभियान की समीक्षा के दौरान कहा कि हमें यह विश्वास दिलाना होगा कि टी.बी. जैसे बीमारी को अब जड़ से खत्म किया जा सकता है। इसके लिए मितानिन और आशा दीदीयों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने सहकारिता के माध्यम से किसानों को जोड़ने और समिति का संचालन करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों को इसमें जोड़कर क्रियाशील करना आवश्यक है। इस अवसर पर जिले की 10 बिहान महिला समूहों की लखपति दीदीयों ने हस्तनिर्मित सामग्री राज्यपाल को भेंट किया। राज्यपाल श्री डेका ने महिला समूहों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे भविष्य में उनके कार्यों का अवलोकन करने जरूर पहुंचेंगे।

इसके पूर्व महामहिम राज्यपाल श्री रमन डेका सर्किट हाउस महासमुंद पहुंचे। जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों ने राज्यपाल श्री डेका से सौजन्य भेंट की।

## सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाएं : लखन लाल देवांगन

### केंद्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की

**विद्युत व्यवस्था को दुरूस्थ करते हुए कबीरधाम जिले में निर्बाध बिजली आपूर्ति करने के निर्देश दिए**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री और कबीरधाम जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में केंद्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उद्यानिकी विभाग, राशन कार्ड की नवनीकरण कार्यों सहित अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

कैबिनेट मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि कबीरधाम जिले में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। जनप्रतिनिधि और अधिकारी जिले के विकास के लिए अच्छा कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर हो और इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। सभी को उत्साह के साथ टीम भावना से कार्य करते हुए सभी क्षेत्रों में कबीरधाम जिले की पहचान बनाना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया है। जिले के सभी अधिकारी इन समस्याओं को संज्ञान में लेकर प्राथमिकता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करें। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जिले में विद्युत आपूर्ति के संबंध में अधिक शिकायत मिली है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को विद्युत व्यवस्था को दुरूस्थ करते हुए 24 घंटे आपूर्ति करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि पेयजल, सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य, राशन मूलभूत आवश्यकता में शामिल है। यह सभी सुविधाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी को निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारी मैदानी क्षेत्रों में जाकर दौरा करें और वास्तविक वस्तु स्थिति की जानकारी लें। जिससे वहां की कमियों को पहचान कर पूरा किया जा सके। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने और प्रगति लाने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के तहत जानकारी लेते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य नल के माध्यम से हर घर जल पहुंचाना है। इस योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर पूर्ण गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा के भीतर होना चाहिए। उन्होंने जिले में खेती किसानी के संबंध में वर्षा और खाद उपलब्धता की जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने जिले के विभिन्न विभाग में संचालित योजनाओं के प्रगति के संबंध में विभागवार जानकारी दी।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शनिवार 31 अगस्त 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com


# संक्षिप्त समाचार

## पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए दो दिवसीय कार्यशाला में मिला प्रशिक्षण



**जगदलपुर ( विश्व परिवार )।** संचालक संचालनालय कोष-लेखा एवं पेंशन के निर्देशानुसार 29 एवं 30 अगस्त को बस्तर जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को पुरानी पेंशन लागू होने के फलस्वरूप सेवानिवृत्ति सहित मृत्यु एवं अशक्तता के पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के स्थापना शाखा के वरिष्ठ कर्मचारियों को विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान ईडब्ल्यूआर समायोजन, पेंशन के लंबित प्रकरण निराकरण, ईआरएम से लंबित प्रकरण का निराकरण, ओपीएस के तहत सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लंबित प्रकरण के निराकरण हेतु विस्तारपूर्वक जानकारी संयुक्त संचालक कोष-लेखा एवं पेंशन श्री कमलेश रायस्त,वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री संजय सोनवानी उपसंचालक कोष-लेखा एवं पेंशन भारती कोर्राम एवं सहायक संचालक सरिता तारिनी देवांगन के द्वारा प्रदान किया गया। कार्यशाला में सहायक कोषालय अधिकारी श्री नरेन्द्र नाग, ममता ध्रुव और कोष-लेखा एवं पेंशन कार्यालय तथा जिला कोषालय के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

## एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सभी कृषि विज्ञान कन्द्रों में वृक्षारोपण




**रायपुर ( विश्व परिवार )।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशालय विस्तार सेवाएं के अंतर्गत कार्यरत छत्तीसगढ़ के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों के परिसर में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि यह अभियान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा देश के समस्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत आने वाले संस्थानों में आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया था। इस वृहद वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य पर्यावरण में सन्तुलन, ग्लोबल वार्मिंग को कम करना, स्वच्छ वायु, मृदा व जल की गुणवत्ता में सुधार व जैव विविधता में वृद्धि के साथ अगली पीढ़ी के लिये सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। इस कार्यक्रम के तहत सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा बड़ी संख्या में पौध रोपण किया गया, जिसमें जामुन, बिही, नीम, आम, नारियल, काजू, पपीता, मुनगा, कटहल, गलमोहर आदि के पौधे रोपित किये गये। इस अवसर सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, वैज्ञानिकगण, कर्मचारीगण तथा परिसर में कार्यरत श्रमिकगण उपस्थित थे।

## लोगों को साक्षर करने का काम अभियान के रूप में ले: विश्वदीप

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** लोगों को साक्षर बनाने से ही देश का विकास होता है। जब लोग साक्षर होगें तो वे अपने और देश के बारे में सोंच सकेगें। इसलिए लोगों को साक्षर करने के काम को अभियान के रूप में ले। सब अपने आस के ऐसे लोग साक्षर नहीं है, उनको उनके कार्यस्थल या उनके निवास स्थान पर खाली समय में जाकर साक्षर करें। उन्होंने कहा कि साक्षरता ऐसी है जैसे मनुष्य के जीवन में सांस। उक्त बातें आज डाइट कार्यालय में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण नवभारत उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के दौरान जिला साक्षरता मिशन के उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप ने कही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में उपस्थित कुशल प्रशिक्षकों और संकुल प्रभारियों को कहा कि साक्षरता के काम को अभियान के रूप में ले। ताकि जिले के हर व्यक्ति साक्षर हो।

# कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उड़ान कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को बताए सफलता के मूलमंत्र

### हर बच्चे में आलौकिक प्रतिभाएं, पालक बच्चों पर न बनाएं दबाव 0 लक्ष्य, दृढ़संकल्प, जज्बा और मेहनत, मूलमंत्र से निश्चित ही मिलेंगे सकारात्मक परिणाम: डॉ. सिंह

### कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और जिला पंचायत सीईओ ने विद्यार्थियों के अलग-अलग सवालों के दिए जवाब

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आमापारा स्थित पीएम श्री पंडित आर. डी. तिवारी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में उड़ान कार्यक्रम के तहत शालेय विद्यार्थियों के लिए प्रेरक उद्बोधन एवं संवाद की शुरूआत की। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ लक्ष्य निर्धारत कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इसके लिए पदचिन्ह तय करने की जरूरत है। हर विद्यार्थियों को अपने लिए पढ़ाई करनी चाहिए। इससे माता-पिता की पहचान बनने के साथ गांव, परिवार का नाम रौशन होता है। उन्होंने अपने पुराने अनुभव साझा करते हुए कहा कि असफलता मिलती तो कभी घबराएं नहीं। कलेक्टर ने कहा कि मैंने कभी कक्षाओं में कभी प्रथम स्थान हासिल नहीं किया, बल्कि द्वितीय स्थान पर ही रहा। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज से अध्ययन किया और बाद में मास्टर आईआईटी से किया, लेकिन लक्ष्य सोचा था उसके लिए मेहनत की और यूपीएससी पास कर आईएएस बनकर गांव लौटा तो पूरा गांव गौरवान्वित हो उठा।




डॉ. सिंह ने कहा कि कोई भी चीज को पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के साथ दृढ़संकल्पित होना जरूरी है। साथ ही जज्बा और कड़ी मेहनत से निश्चित ही सकारात्मक परिणाम आता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में सीखने, समझने की जिज्ञासा होनी चाहिए। पढ़ाई को बोझ समझने से बेहतर हैं कि खेल की तरह मन लगाकर करें।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत कर कुछ बड़ा कर गुजरने की चाहत होनी चाहिए। जीवन में कठिनाई के दौर भी आते हैं, लेकिन मेहनत ही सफलता दिलाती है। वहीं समय ही खुशियों का पल होता है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने पालकों से भी आग्रह किया कि कोई भी पालक अपने बच्चों उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दबाव न बनाएं। प्रत्येक विद्यार्थियों ने आलौकिक प्रतिभा लेकर जन्म लिया है। उन्होंने कहा कि कक्षा में प्रथम स्थान हासिल करना ही सफलता का पैमाना नहीं हैं, बल्कि कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चित से ही विद्यार्थी सफल होता है।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में सबसे सरल सवाल पूछे जाते हैं। सर्वप्रथम अभ्यर्थियों से बेसिक जानकारी ली जाती है और अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व के बारे में सवाल किए जाते हैं। इंटरव्यू के दौरान अनेकों सवाल होते है। हर विद्यार्थियों को अखबार पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। इससे देश-विदेश की जानकारी मिलती है। साथ ही उन्होंने कहा कि नीट और जेईई की तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा प्रारंभ की गई है। इसका लाभ अधिक से अधिक बच्चे उठा सकते है और अपना भविष्य बेहतर बना सकते है। साथ ही कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए।

नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने बच्चों को अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक हर बच्चों को कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। क्योंकि इसी दौरान विद्यार्थियों को इतिहास की बेहतर जानकारी मिलती है। यहीं आगे की पढ़ाई में बहुत ही कारगर साबित होती है। जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को यूपीएससी की तैयारी करने से पहले सिलेबस की जानकारी रखें। जब भी पढ़े सिद्दत के साथ पढ़ाई करें और अनुभवी लोगों से जानकारी लें। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद, जिला शिक्षा अधिकारी श्री विजय खंडेलवाल, समग्र शिक्षा जिला समन्वयक श्री के.एस. पटले समेत स्कूल के शिक्षक, पालकगण व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

# भूपेन्द्र सिंह बंजारे को मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर द्वारा रसायन शास्त्र में मिली पीएचडी की उपाधि

**बिनौरी/बलौदाबाजार ( विश्व परिवार )।** ग्राम बिनौरी निवासी स्व. अशोक कुमार बंजारे एवं स्व. पालकी बाई बंजारे के सुपुत्र भूपेन्द्र सिंह बंजारे को मैट्स यूनिवर्सिटी रायपुर के रसायन शास्त्र अध्ययनशाला द्वारा पीएचडी (डॉक्टर ऑफ फिलासफी) की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने डॉ. मनोज कुमार बंजारे के निर्देशन में माइसलर केरेक्ट्रिस्टिक्स एनालिसिस ऑफ आयनिक लिक्विड्स-सर्फेक्टेंट्स-आइनोसिटोल सिस्टम्स एंड इट्स एप्लीकेशन विषय पर अपना शोधकार्य पूर्ण कर लिया है, इन्होंने शोध के दौरान कई इंटरनेशन जर्नल्स में अपना शोध कार्य एवं बुक चैप्टर प्रकाशित किया है और शोध पत्र लेखन जारी है। यह अपने परिवार में चार भाईयो में सबसे छोटे है, इन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा गांव के शासकीय स्कूल एवं शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल पलारी से पूर्ण किए, स्नातक (बीएससी-बायोलॉजी) करने के लिए शासकीय डी के महाविद्यालय बलौदा बाजार और स्नातकोत्तर (एमएससी - रसायन शास्त्र) करने के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र अध्ययनशाला से पूर्ण किया । इन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुरा में विगत आठ वर्षो से व्याख्याता रसायन शास्त्र के पद पर सेवा दी। सेवा के दौरान इन्होने विधिवत विभागीय अनुमति लेकर छत्तीसगढ़ पीएससी सहायक प्राध्यापक की परीक्षा-2019 में कड़ी मेहनत कर सफलता हासिल की और आज शासकीय महविद्यालय आरा जिला जशपुर में सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र के पद पर कार्यरत है। इसकी इस सफलता का श्रेय इन्होंने अपने माता - पिता, गुरुजनों, मित्रो और अपने स्कूली स्टाफ को दिया है । इन्होंने व्याख्याता के पद पर रहते विभागीय अनुमति लेकर कोरोना काल के समय अपनी पीएचडी का पढ़ाई प्रारंभ किया और दिनांक 11/07/2024 को इन्होंने अपनी पीएचडी डिफेंस पूर्ण कर पीएचडी उपाधि प्राप्त की इस सफलता के लिए सभी परिवार जन, महाविद्यालय की प्राचार्या वंदना पाठक, एवं फैकल्टी गण - आशीष राजपाल, रविकांत भगत, दुर्गावती पैंकरा, निकिता मिंज, खुशबू खलखो, मित्र गण - डॉ डाली, दिनेश, बेनविक्रम, रूपेंद्र, रश्मिता, नम्रता, कमलेश, डॉ अरविंद, डॉ निताई, दीपेश, डॉ दीपक, अजहर, तुकाराम, दुष्यंत, योगेश, कांतमणी, डॉ तुलाराम, भोला राम, सीचारण सभी ने मिलकर बधाई दिया और उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।



# राज्यपाल डेका ने पुरातत्व नगरी सिरपुर का भ्रमण कर लक्ष्मण मंदिर, तिवरदेव विहार और सुरंग टीला का किया अवलोकन

### एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत आम पेड़ का किया रोपण

### मंदिरों के निर्माण शैली को देखकर हुए अभिभूत



**रायपुर ( विश्व परिवार )।** राज्यपाल श्री रमेन डेका महासमुंद प्रवास के दौरान आज पुरातत्व और ऐतिहासिक नगरी सिरपुर में प्रसिद्ध और प्राचीन लक्ष्मण मंदिर का अवलोकन किया। राज्यपाल मंदिर की भव्यता और निर्माण शैली को देखकर मंत्रमुग्ध हुए। ज्ञात है कि यह मंदिर केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। जिसका निर्माण 6 वीं शताब्दी मे किया गया था। इस मंदिर की विशेषता है कि यह लाल ईंटों से निर्मित है। इसके अलावा राज्यपाल ने तिवरदेव विहार और सुरंग टीला का भी अवलोकन किया। राज्यपाल ने अवलोकन के दौरान पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने मंदिरों के इतिहास और निर्माण शैली की विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने इस अवसर पर विजिटिंग रजिस्टर में मंदिरों के रख रखाव की सराहना की और इनके सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने सुझाव भी दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशी आम के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर महासमुंद जिला प्रशासन के अधिकारी तथा वन एवं पुरातत्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

# टीम कैट ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के प्रमुख लोकायुक्त इंदर सिंह उबोवेजा से मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आज कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी जी के नेतृत्व में टीम कैट का एक प्रतिनिधी मंडल छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के प्रमुख लोकायुक्त न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) माननीय श्री इंदर सिंह उबोवेजा जी से सौजन्य मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।



कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि भारतवर्ष में लोकपाल जैसी संस्था स्थापित किये जाने की आवश्यकता बार बार महसूस की जा रही थी। प्रशासनिक सुधार आयोग ने अक्टूबर 1966 में प्रस्तुत किये गए अपने प्रतिवेदन में भारतीय नागरिको की होने वाली समस्याओं का समाधान करने की कठिनाई के अंतर्गत प्रशासनिक भ्रष्टाचार, कुप्रशासन, अवचार के संबंध में कमी, असफलताये तथा प्रशासन के आपेक्षित मापदंडो में ईमानदारी और क्षमता की कमी के सम्बन्ध में उपचार के बारे में प्रस्तुत की गयी। तथ्यों के विश्लेषण के उपरांत भारतीय नागरिको को उपरोक्त समस्याओं के निदान के लिए उपलब्ध व्यवस्था और उसके स्थान पर नई व्यवस्था प्रस्तुत करने पर भी विचार किया गया। जिसमें लोकायुक्त कि नियुक्ति का प्रावधान किया गया।

माननीय श्री इंदर सिंह उबोवेजा जी से मुलाकात में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारी मुख्यरूप से अमर पारवानी, मगेलाल मालू, परमानन्द जैन, वासु माखीजा, सुरिन्दर सिंह, भरत जैन, प्रीतपाल सिंह बग्गा, जयराम कुकरेजा, अवनीत सिंह, महेश जेठानी, नरेश पाटनी, विजय जैन आदि उपस्थित रहे।

# एम्स, रायपुर में सेंट्रल जोन पेडिकॉन प्रीकांफ्रेंस-2024 का हुआ आयोजन

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** एम्स, रायपुर में सेंट्रल जोन सीजी पेडिकॉन 2024 (CZCG PEDICON 2024) के अंतर्गतबाल चिकित्सा आपातकाल (Paediatric Emergency Medicine) विषय पर सेंट्रल जोन पेडिकॉन प्रीकांफ्रेंस कार्यशाला का आयोजनदिनांक29 अगस्तको किया गया। बाल चिकित्सा विभाग, बाल चिकित्सा आपातकालीन चिकित्सा टीम द्वारा टीआरआईएजीई ट्राइएज) और पर्ल (बाल चिकित्सा आपातकालीन और पुनर्जीवन शिक्षण) शीर्षकसेइस कार्यशालाका आयोजन किया गया जिसमें राज्य भर से आए45संकाय सदस्य, परामर्शदाता, निजी चिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी और स्नातकोत्तर छात्रप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशालाका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप मेंएम्स, रायपुर के कार्यपालक निदेशक और सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त)द्वाराकिया गया। कार्यशाला केविभिन्न सत्रों मेंट्राइएज, पीडियाट्रिक्स एयरवे कंसिडरेशन, शॉक एंडपीडियाट्रिक्सट्रामा और सर की चोट संबंधित विषय शामिल थी। इसके उपरांत जटिल बाल चिकित्सा आपातकालीन मामलों मेंटीमआधारित प्रबंधन में केस परिदृश्यों के सिमुलेशन परसत्रका आयोजन कियागया जिसमें शॉक, ट्रामा, नियोनेटल केयरऔर रेसपिरेटरी फैलियरजैसे विषय सम्मिलित थे।

**कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223**
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

**आम-सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा, सामान्य आवास योजनातंर्गत पिरदा रायपुर में स्थित ई.डब्ल्यू. एस. ब्लॉक क्रमांक-08, फ्लैट नं-10, (द्वितीय-तल) को इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 4396 दिनांक 27.07.2018 के द्वारा **सुश्री सरोज वर्मा पिता श्री सेतरू राम,** के नाम एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट के मद में सम्पूर्ण राशि जमा कर फ्लैट कि सेलडीड **दिनांक 21.08.2019** को पंजीकृत करने उपरांत इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3733 **दिनांक 06.09.2019** फ्लैट का आधिपत्य एक कर लिया गया है।

वर्तमान में आवंटी **सुश्री सरोज वर्मा पिता श्री सेतरू राम, निवासी:- हाउस नं-157, ग्राम पेण्ड्रावन जिला-दुर्ग, (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता **श्रीमती अंजू जगत पति श्री रोहित जगत निवासी: ई.डब्ल्यू.एस. -8/11, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पिरदा-2, पिरदा रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ. सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय करने के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

**सम्पदा अधिकारी,**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
**सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)**
**संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर**
**E-mail ID - rmczone1@gmail.com**

पत्र क्र./10748/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 16-08-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 10748
वार्ड का नाम- 03 - संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 03 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR803I0073A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHAITI BAI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKHI RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RUPESH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKHI RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री हितेन्द्र यादव**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 1 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)**
**संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर**
**E-mail ID - rmczone1@gmail.com**

पत्र क्र./10747/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 16-08-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 10747
वार्ड का नाम- 03 - संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 03 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR803I0073B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHAITI BAI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKHI RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJESH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJKUMAR SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री हितेन्द्र यादव**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 1 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)**
**मोहबा बाजार, रायपुर**
**E-mail ID - rmczone8@gmail.com**

पत्र क्र. /14181/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-08-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 14181
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870I00100** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MESSORS SACHDEV BUILDCON HARISH KUMAR SACHDEV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANGREJ SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. URMILA CHOUHAN W/O SUNIL KUMAR CHOUHAN 2. SUNIL KUMAR CHOUHAN S/O BALARAM CHOUHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**आदित्य कुमार हालदार**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-8**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)**
**मोहबा बाजार, रायपुर**
**E-mail ID - rmczone8@gmail.com**

पत्र क्र. /14191/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-08-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 14191
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870C00063** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ KEDIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MADHU SUDDAN KEDIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJMOHAMMAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASIR KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**आदित्य कुमार हालदार**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-8**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)**
**शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर**
**Email ID - rmczone2@gmail.com**

पत्र क्रं./14162/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 30-08-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 14162
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **वार्ड 27** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737D0179A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PREMCHAND** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHOJRAM CHABRIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. **चांदनी छाबरिया -पिता स्व. प्रेमचंद छाबरिया 2. श्रीमती भारती छाबरिया - पति स्व. रामचंद छाबरिया** पिता/पति, श्री/श्रीमती 3. **श्री लक्ष्मण दास छाबरिया - पिता स्व. भोजराज छाबरिया 4. श्री प्रकाश राय छाबरिया - पिता स्व. भोजराज छाबरिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)**
**शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर**
**Email ID - rmczone2@gmail.com**

पत्र क्रं./14163/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 30-08-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 14163
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **36** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR436H00296** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MEHANDI MO. FARISTA, JHADU RAM PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O JOHRAN PANDEY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मनोज कुमार ढोलकिया** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री रमणिक लाल ढोलकिया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)**
**शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर**
**Email ID - rmczone2@gmail.com**

पत्र क्रं./14161/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 30-08-2024

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 14161
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि **वार्ड 27** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी.**RPR737D00179** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **AMARLAL CHHABRIYA** पिता / पति श्री/श्रीमती **BHAGWAN DAS CHHABRIYA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. श्रीमती पुष्पा छाबड़िया पति स्व. अमरलाल छाबड़िया 2. श्रीमती राखी पति अशोक नागपाल पिता स्व. अमरलाल छाबड़िया 3. श्रीमती मोना मेंडा पति कमल पिता स्व. अमरलाल छाबड़िया 4. श्रीमती सोनी साहू - पति मनोज कुमार साहू- पिता स्व. अमरलाल छाबड़िया पिता / पति श्री / श्रीमती 5. श्रीमती विनीता पिताम्बर पति - पिताम्बर आहूजा- पिता स्व. अमरलाल छाबड़िया 6. श्रीमती पिंकी खनुजा पति रिंकू खनुजा- पिता स्व. अमरलाल छाबड़िया 7. श्रीमती कुसुम अमित पति अमित छाबड़िया पिता स्व. अमरलाल छाबड़िया** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत हक़ त्याग विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी।

**श्री आर.के. डोंगरे**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक- ( 2 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 31 अगस्त 2024



# बालको ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर वितरित किये स्पोर्ट्स किट

## पहल का उद्देश्य युवाओं में खेल क्षमता का विस्तार और खेल भावना की संस्कृति को बढ़ावा देना है

**कोरबा(विश्व परिवार)।** वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर समुदाय के युवाओं को स्पोर्ट्स किट वितरित किये। कंपनी ने इस पहल से खेल को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पहल का उद्देश्य युवाओं में खेल क्षमता का विस्तार और खेल भावना की संस्कृति को बढ़ावा देना है। कंपनी निरंतर समुदाय के युवाओं की प्रतिभाओं में बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। स्पोर्ट्स किट में बैडमिंटन, हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल और वॉलीबॉल जैसे विभिन्न खेलों के समान शामिल थे। वित्तवर्ष 2025 में कंपनी ने 5 समुदाय स्पोर्ट्स किट वितरित किए गए हैं। किट वितरण के साथ ही निकट भविष्य में खेलों को बढ़ावा देने तथा अधिक क्षेत्रों में विस्तारित करने की योजना है। कंपनी के इस पहल से अभी तक 3,700 से अधिक लाभान्वित हुए हैं। पहल की मदद से उन्हें अपने खेल कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक उपकरण और अवसर प्राप्त हुए हैं। कंपनी का उद्देश्य है कि इस पहल का लाभ ऐसे क्षेत्रों के युवाओं को मिले जहाँ ऐसे संसाधनों तक पहुँच सीमित है। इससे उन्हें नियमित खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों। अगली पीढ़ी के एथलीटों में खेल भावना और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस प्रोत्साहन से मौजूदा खेल समितियों को पुनर्जीवित और मजबूत किया है। स्थानीय स्टेकहोल्डर के समर्थन से नई समितियों के गठन को भी बढ़ावा दिया है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि ओलंपिक में भारतीय एथलीटों के उल्लेखनीय प्रदर्शन ने एक बार फिर हमारे युवाओं की अपार क्षमता को उजागर किया है। हम विभिन्न अवसर, संसाधन और प्रशिक्षण क्षमताओं को बढ़ाकर जमीनी स्तर पर खेलों को प्रोत्साहित करने में विश्वास करते हैं। उचित खेल संसाधन तक पहुँच सुनिश्चित करने तथा नियमित खेल अवसरों से हम भविष्य के चैंपियन के लिए नींव रख रहे हैं। ऐसे पहल एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। खेल में प्रतिभाशाली युवाओं के प्रोत्साहन और सशक्तिकरण से वैश्विक मंच पर हमारे देश को स्पोर्ट्स क्षेत्र में मजबूती मिलेगी। पहल की सराहना करते हुए सोनपुरी की सरपंच मीना बाई कंवर ने कहा कि बालको हमेशा स्थानीय समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए समर्पित रहा है। कंपनी अपने विकास परियोजनाओं स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि समुदाय में खेल उपकरण वितरित करने का कार्य सराहनीय है क्योंकि यह शारीरिक गतिविधि और खेलों को प्रोत्साहित करेगा जिससे स्वस्थ समुदाय का निर्माण होगा। बालको ने हमेशा समुदाय के युवाओं में खेल और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बालको बालकोनगर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्टेडियम का प्रबंधन करता है जो स्थानीय युवाओं और बच्चों को अपने खेल कौशल को विकसित करने और निखारने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करता है। स्टेडियम खेलने की सुविधा प्रदान करने के साथ युवाओं और बच्चों का प्रिय स्थान है।

## संक्षिप्त समाचार

### ट्रैफिक से संबंधित समस्याओं को लेकर एसपी ने ली बैठक

**कोरबा(विश्व परिवार)।** ट्रैफ्रिक से संबंधित समस्याओं को निराकृत करने के लिए शहर में कोशिश चल रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा ने बुधवारी क्षेत्र के व्यवसायियों की बैठक इस मसले को लेकर ली। मुख्य रूप से कहा गया कि वाहनों की पार्किंग सही जगह पर किया जाए ताकि सडक़ों पर अव्यवस्था उत्पन्न न हो और लोग परेशान न हो सके। एडिशनल एसपी ने बुधवारी सब्जी मंडी के दुकानदारों और आसपास में कारोबार करने वाले व्यवसायियों की बैठक समस्या के समाधान को लेकर ली। इसमें व्यवसायी शामिल हुए। उन्हें कहा गया कि लगातार बुधवारी क्षेत्र में सडक़ के आसपास कहीं भी वाहनों की पार्किंग किए जाने के नजारे देखने को मिल रहे हैं। इस चक्कर में समस्याएं पैदा हो रही है। आवागमन पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। काफी समय से इन चीजों को ध्यान में रखा गया है अब हिदायत देने के साथ कार्रवाई भी की जाएगी। एडिशनल एसपी ने बैठक में कहा कि जैन मंदिर चौराहे और महाराणा प्रताप ग्राउंड में वाहनों की पार्किंग कराए जाने पर ध्यान देना होगा। मनमाने तरीके से कहीं भी गाडिय़ां खड़ी पाई गई तो कार्रवाई का डंडा चलेगा।

### शातिर बाइक चोर हुआ गिरफ्तार

**कोरबा(विश्व परिवार)।** पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) द्वारा अवैध गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश सभी थाना प्रभारियों को दिये गये हैं, उक्त निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान व नेहा वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में सभी थाना एवं चौकी प्रभारी को अपने क्षेत्र में हो रहे मोटरसाइकिल चोर को पकड़ने के लिए दिशा निर्देश दिये गये थे। इसी क्रम में विभिन्न स्थानों से मोटर सायकल की अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा चोरी कर लिया गया था जिस पर संबंधित थाना/चौकी में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम गठित कर मोटरसाइकिल चोरी करने वालों का पता तलाश किया जा रहा था। इसी बीच थाना सिविल लाइन रामपुर कोरबा को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि पूर्व में भी मोटरसाइकिल चोरी करने वाला रोहित राजपूत नामक व्यक्ति बदल बदल कर मोटर साइकिल एवं स्कूटी चला रहा है कि इस सूचना पर टीम के द्वारा मोटरसाइकिल/स्कूटी को बरामद किया गया है तथा आरोपी रोहित राजपूत को गिरफ़्तार किया गया है, जिसे न्यायिक हिरासत हेतु न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कोरबा के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ करवाही जारी रहेगी ।

### बालको कर्मचारी संघ ने मनाया पर्यावरण दिवस

**कोरबा(विश्व परिवार)।** कोरबा जिले में बालको कर्मचारी संघ ने 28 अगस्त को राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाया, इस दौरान मितान भवन के बगल में स्थित मैदान में पौधा रोपण किया गया एवं उसकी देख-रेख का प्रण लिया गया। पौधा रोपण के बाद गोष्टी का आयोजन किया गया। जिसमें बालको कर्मचारी संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता आर.एल. चंद्रा राजस्थान के खेतड़ी मे बलिदान देने वालों विभूतियों को याद किया। इस अवसर पर संगठन मंत्री हरीश सोनवानी ने आज के दिवस की महत्ता पर जोर दिया, भारतीय मजदूर संघ के जिला उपाध्यक्ष विश्वजीत मंडल ने पर्यावरण को बचाने के साथ प्लास्टिक पर भी प्रतिबंध के बारे मे जानकारी दी, बालको कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल दुबे ने भारतीय मजदूर संघ के पर्यावरण दिवस मनाने के महत्त्व के बारे मे अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन बालको कर्मचारी संघ के महासचिव माखन लाल वर्मा ने किया, कार्यक्रम मे ओ.पी. राजपुरोहित, रेवा साहू, अनिल वर्मा, हीरा साहू, मुकेश ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता शरद नायर द्वारा की गयी।

### सिलफिली व प्रेमनगर में नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान कार्यक्रम का किया गया आयोजन

**सूरजपुर(विश्व परिवार)।** आज राष्ट्रीय जल मिशन के तहत चलाए जा रहे अभियान ''नारी शक्ति से जल शक्ति'' के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत सिलफिली वनधन केंद्र में एवं जनपद पंचायत प्रेमनगर के सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जल संकट को दूर करने एवं वर्षा के जल को बचाने व भू जल को बढावा देने के लिए जल संचयन, संरक्षण से संबंधित जानकारी दी गई एवं जल संरक्षण करने हेतु शपथ ग्रहण भी किया गया।

# एनटीपीसी कोरबा ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली का आयोजन किया

**कोरबा(विश्व परिवार)।** राष्ट्रीय खेल दिवस के उत्साहपूर्ण उत्सव में, एनटीपीसी कोरबा ने खेल परिषद के सहयोग से आज एक जीवंत साइकिल रैली का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और खेल प्रेमियों ने उत्साही भागीदारी दिखाई, सभी ने मिलकर स्वास्थ्य, फिटनेस और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया। साइकिल रैली सुबह 6रू30 बजे शुरू हुई, जिसमें विभिन्न उम्र के साइकिल चालकों ने टाउनशिप में निर्धारित मार्गों पर साइकिल चलाकर सक्रिय जीवनशैली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस के महत्व और बाहरी गतिविधियों की खुशी को रेखांकित करना था। रैली का एक प्रमुख आकर्षण फिट इंडिया शपथ थी, जो एक राष्ट्रीय पहल है जो नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्रतिभागियों ने गंभीरता से फिट इंडिया के दृष्टिकोण को समर्थन देने की शपथ ली, जिसमें नियमित व्यायाम, संतुलित पोषण, और उनके दैनिक जीवन में भलाई को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता शामिल थी। एनटीपीसी कोरबा के महाप्रबन्धक (प्रचालन एंड मेंटेनेंस) श्री अर्नब मैत्रा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज की साइकिल रैली सिर्फ राष्ट्रीय खेल दिवस का उत्सव नहीं है; यह स्वास्थ्य और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि है।

# दो युवकों की मौत के बाद पुलिस हुई सक्रिय, देर रात तक कार्रवाई

**कोरबा(विश्व परिवार)।** शहर में तेज रफ्तार कार की ठोकर से दो युवकों की मौत के बाद लोगों की नाराजगी ने पुलिस को एक्टिव किया है। अब हर तरफ कार्रवाई का दौर जारी है। कटघोरा पुलिस ने रात्रि 1 बजे तक अभियान चलाकर लापरवाह वाहन चालकों की खबर ली। 30600 की पेनाल्टी ऐसे मामलों में की गई है। थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने बताया कि ऐसे चालक या तो शराब के नशे में थे या नो एंट्री के बाद घुसे थे अथवा नियम तोडक़र आवागमन कर रहे थे। प्रकरणों में मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की गई। उन पर पेनाल्टी की गई। एसपी के निर्देश पर यहां मुख्य मार्ग और बायपास पर पुलिस की टीम ने उपस्थिति दर्ज कराई। रात 9 बजे से शुरू किए गए इस अभियान को मध्य रात्रि तक संचालित किया गया। मैनपावर और आवश्यक उपकरणों के साथ कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस दौरान शराब के नशे में दो चालक पाए गए। टीआई ने बताया कि सुरक्षित आवागमन वाहन चालकों के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए आवश्यक है जो आवाजाही किया करते हैं। चालकों की जरा सी लापरवाही हादसे का कारण बन सकती है और रास्ते में चलने वाले लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल सकती है। इधर कोरबा में नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने सक्रियता दिखाई और निहारिका कोसाबाड़ी मार्ग पर सडक़ के किनारे अवैध कब्जों को हटाया। लोगों को चेताया गया कि नियम विरूद्ध इस प्रकार की गतिविधियां किए जाने पर एक्शन होगा।

### रास्ता रोक कर लूटपाट करने वाला आरोपी पकड़ाया

**कोरबा(विश्व परिवार)।** जिले की बालकोनगर पुलिस ने एक युवक का रास्ता रोक कर लूटपाट करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार अमरेया पारा कोरबा निवासर अंकित कुमार वर्मा पिता प्रकाश चन्द्र वर्मा उम्र 22 वर्ष ने बालको नगर थाने में शिकयत दर्ज करवाते हुए बताया था कि वह सीसीटीव्ही कैमरे लगाने का काम करता है 27 अगस्त को रात्रि करीबन 9 से 9:30 बजे जब वह अपने काम से अपने दोस्त अरूण कुर्रे के साथ लौटकर अपने घर जा रहा था तभी जोगियाडेरा भवानी मंदिर के पास मेन रोड में उसके दोसत के साथ मार-पीट कर लूटपाट की गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाने में धारा 309(6),126(2) बीएनएस के तहत आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान घटनास्थल निरीक्षण, घटनास्थल से आरोपियों द्वारा प्रार्थी का रास्ता रोककर नगदी रकम एवं कैमरे का सामान लूटपाट करते हुए मारपीट किए थे।

# दूर हो जाती है उदासी, जब सास-बहू के खाते में आती है राशि

## महतारी वंदन योजना से सास-बहू की आर्थिक समस्या हुई दूर

**कोरबा(विश्व परिवार)।** शहर से लगभग 90 किलोमीटर दूर पहाड़ो से घिरा गाँव है कारीमाटी..। पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले इस गाँव में खपरैल वाले कच्चे मकान में एक साथ रहने वाली सास-बहू मंगली बाई और प्रमिला बाई को बहुत ही विपरीत परिस्थितियों में रहना पड़ता है। इनके छोटे से गाँव से अन्य गाँव की दूरी अधिक होने और रास्ते में घना जंगल तथा पहाड़ होने की वजह से रोजी-मजदूरी का काम भी मिल नहीं पाता था,ऐसे में कई जरूरी कार्यों के लिए पैसे और आर्थिक तंगी के बीच जीवन में भी उदासी थी। महतारी वंदन योजना प्रारंभ होने के बाद नगदी के लिए तरसते सास-बहू को अब खाते में ही हर महीने रुपये मिल जाते हैं, जिससे उन्हें उनकी जरूरतों का सामान खरीदने में कोई परेशानी नहीं आती। हर महीने मिलने वाली महतारी वंदन की राशि इनकी उदासी हटाने के साथ ही खुशियों की वजह भी बन जाती है। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम कारीमाटी में रहने वाली प्रमिला बाई और उनकी सास मंगली बाई ने बताया कि अन्य गाँव से उनके गाँव की दूरी अधिक होने की वजह से वे कही जा नहीं पाते। गाँव में जो थोड़ा बहुत खेत है उसमें ही खेती किसानी में सहयोग कर लेती हैं। उन्होंने बताया कि गाँव में हाजिरी मजदूरी मिलना मुश्किल है। अन्य गाँव की दूरी इतनी अधिक हैं कि वे चाहकर भी जा नहीं सकते। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना प्रारंभ होने के दौरान उन्होंने भी आवेदन जमा किया था। योजना से जुड़ने के पश्चात हर महीने उनके बैंक खाते में एक हजार की राशि आती है। इस राशि से घर में किराना सहित अन्य जरूरतों की पूर्ति आसानी से हो पाती है। मंगली बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा महतारी वंदन योजना लागू किए जाने पर हम जैसी पहाड़ और वनांचल क्षेत्र में रहने वाली जरूरतमंद महिलाओं को खुशहाल जीवन का एक आधार मिल गया। ग्रामीण महिलाओं के लिए एक हजार की राशि कोई छोटी रकम नहीं होती।

# भारतीय मजदूर संघ संबद्ध आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

**कोरबा(विश्व परिवार)।** कोरबा जिले में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अतिरिक्त कार्य एवं अन्य समस्याओं को लेकर 28 अगस्त को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से कहा की विभागीय कार्य के अलावा अनेकों प्रकार की अतिरिक्त कार्य उनसे कराये जाते हैं, चूंकि वर्तमान में विभागीय सभी कार्य ऑनलाइन कराये जा रहे हैं, इस परिस्थिति में और चुनाव की अतिरिक्त कार्य संदर्भित पत्र में बीएलओ ड्यूटी में सभी कार्यकर्ता बीएलओ को होम टू होम सर्वे का कार्य दिया गया है, जो की कार्यकर्ताओं के लिए कर पाना असम्भव सा है। नाम जोड़ने, काटने, सुधारने के अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग का सर्वे का कार्य भी दिया गया है, सभी ऑनलाइन सर्वे का कार्य भी कार्यकर्ताओं को दिया जा रहा हैं। रविवार जो की सभी के लिए शासकीय अवकाश होती है, कार्यकर्ताओं के लिए रविवार के दिन भी कार्य कराए जाते है। 6 घंटे की जगह 12 घंटे कार्य कराया जाता है, विभागीय कार्य के साथ चुनाव का कार्य कार्यकर्ताओं के लिए सीमा से अधिक कार्य हो रहा है। एक तरफ विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि का लिस्ट, महतारी वंदन से लाभांवित हितग्राहियों की लिस्ट बनाने का कार्य दिया जाता है, उसके बाद तुरंत अतिरिक्त कार्य में ड्यूटी लगा दी जाती हैं, चूंकि आंगनबाड़ी का समय 9रू30 से 3रू30 होता जहां 3रू30 के बाद बीएलओ का अतिरिक्त कार्य कर पाना संभव नहीं है, जिसके लिए विभागीय कार्यावधि कम की जाए या अतिरिक्त कार्य से मुक्त किया जाए। साथ ही केंद्र में कार्यकर्ता की कार्यों का उचित व्यवस्था करते हुए पत्र लिखित में निर्देश जारी किया जाए। अवकाश के दिन कोई भी विभागीय या अतिरिक्त कार्य न कराये जाए, अतिरिक्त कार्य करते समय कार्यकर्ता की अनुपस्थिति में केंद्र में कोई अव्यवस्थता होती है, उसके लिए कार्यकर्ता को जिम्मेदार न ठहराया जाए। साथ ही नेट चार्ज, बीएलओ ट्रेनिंग के लिए यात्रा भत्ता उपलब्ध कराया जाए या अतिरिक्त कार्य के लिए पंचायत विभाग से चयनित कराया जाए। इस तरह से कार्यकर्ताओं के अधिकारों का हनन, उनका शोषण किया जा रहा है, जो बंद किया जाए।

### बरसात के बाद होगा रामलीला मैदान का कायाकल्प

**रायगढ़,(विश्व परिवार)।** बरसात के बाद रामलीला मैदान का कायाकल्प होगा। वर्तमान में रामलीला मैदान में शेड निर्माण का कार्य किया गया है। इसी तरह बाथरूम, ग्राउंड लेवलिंग का कार्य प्रगति पर है। रामलीला मैदान को संवारने के लिए शासन ने 25 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। नगर निगम आयुक्त श्री सुनील चंद्रवंशी ने बताया कि स्वीकृत के बाद विधिवत टेंडर प्रक्रिया कर कार्यादेश जारी किया गया है। स्वीकृत स्टीमेट के अनुसार रामलीला मैदान में बाउंड्रीवॉल, पाथवे गेट, बाथरूम सह शेड निर्माण होना है। मैदान में शेड निर्माण किया जा चुका है। इसी तरह मैदान में बाथरूम निर्माण किया जाना है। मैदान के समतलीकरण का काम भी होना है। जिसके लिए काम शुरू किया गया था। लेकिन लगातार बारिश के चलते काम रोका गया है। बारिश के पश्चात काम पुन: शुरू किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण वर्तमान में ग्राउंड लेवलिंग के पहले लेयर के लिए डाले गए मिट्टी के कारण कीचड़ की स्थिति निर्मित हुई है। रामलीला मैदान के पीछे की ओर शासकीय स्कूल का निर्माण हो रहा है। निर्माण कार्य में लगने वाले बिल्डिंग मटेरियल की सप्लाई के लिए हैवी वाहनों का आना-जाना मैदान के रास्ते से ही हो रहा है। इसी तरह मोटर ड्राइविंग स्कूल के वाहन भी यहां चलते है।

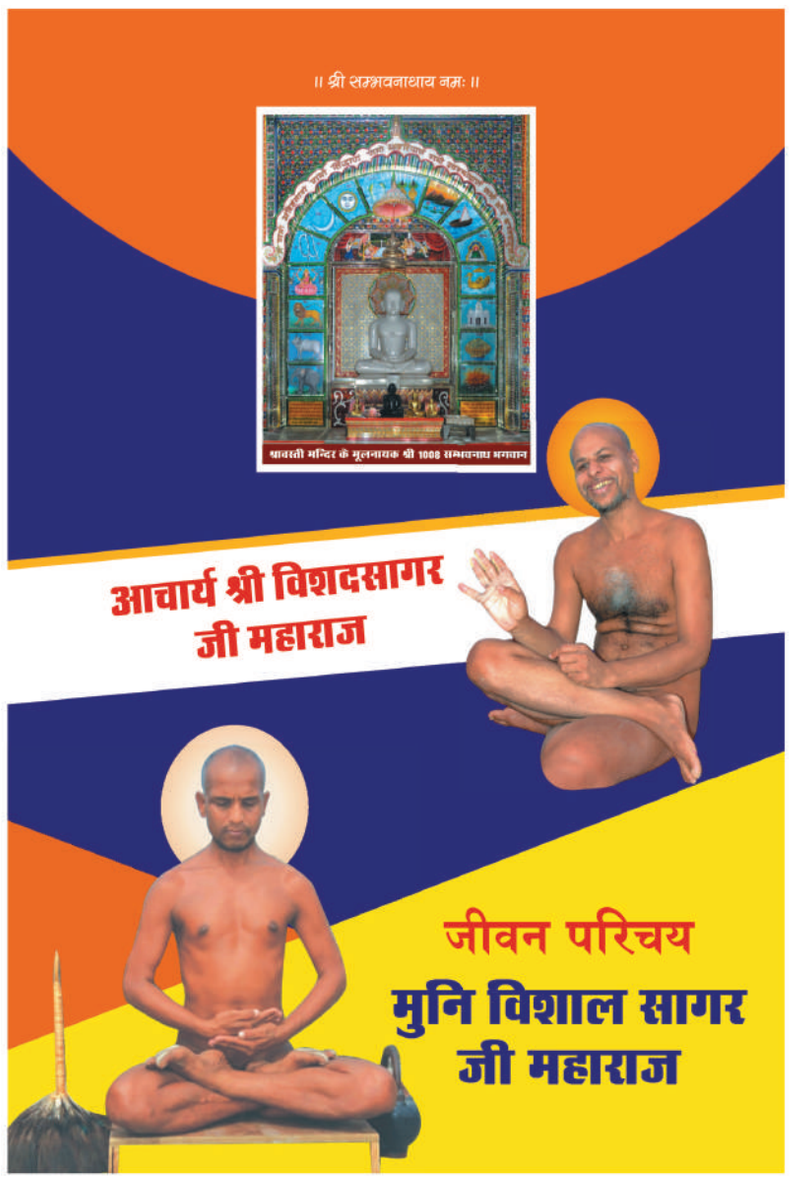


## जीवन दर्शन : मुनि विशाल सागर

| | | |
|---|---|---|
| पूर्व नाम | : | सुधीर जैन (बंटी भैय्या) |
| पिता का नाम | : | श्री माणकचन्द जी जैन |
| माता का नाम | : | श्रीमती पद्मा देवी जैन |
| गोत्र | : | पाण्ड्या (खण्डेलवाल-सरावगी) |
| जन्म तिथि | : | 10.06.1973 |
| जन्म स्थान | : | जयपुर (राजस्थान) |
| दीक्षा पूर्व निवास | : | सिद्धार्थनगर, जयपुर |
| भाई | : | सुनील जैन |
| | : | अनिल जैन |
| | : | सुधीर जैन (वर्तमान में मुनि विशाल सागर) |
| बहन | : | सुनीता जैन |
| | : | अनिता जैन |
| बह्मचर्य व्रत | : | 19.10.1999 (विजय दशमी) |
| सप्तम प्रतिमा व्रत | : | 22.08.2004 (मोक्ष सप्तमी) |
| मुनि दीक्षा | : | 13.02.2005 (बसन्त पंचमी) |
| दीक्षा गुरु | : | परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशद सागर जी महाराज |
| दीक्षा पश्चातनाम | : | मुनि श्री विशाल सागर जी महाराज |
| दीक्षा स्थान | : | मालपुरा, जिला – टोंक (राजस्थान) |
| चातुर्मास स्थल | : | सन् 2005 से 2023 तक 19 वर्षा योग |

क्रमशः निम्न स्थानों पर सम्पन्न हुए :-
(1) निवाई, (2) अलवर, (3) अजमेर, (4) मालपुरा, (5) भीलवाड़ा, (6) श्री चंवलेश्वर पार्श्वनाथ जी, (7) रेवाड़ी (हरियाणा) (8) शास्त्री नगर दिल्ली, (9) शकरपुर-लक्ष्मीनगर दिल्ली, (10) तिजारा, (11) वरूण पथ मानसरोवर-जयपुर, (12) जैन नशियाँ-टोंक (13) जैकमपुरा-गुड़गांव, (14) न्यू उस्मानपुर-दिल्ली, (15) आदीश्वरधाम-हरिद्वार (16) तीर्थक्षेत्र कंपिल जी (फरुखाबाद), (17) श्री पार्श्वनाथ तीर्थ भेलूपुर, काशी (18) तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी, (19) चारबाग, लखनऊ।

## सन् 1999 से 2023 तक 25 वर्षो में जिन धर्म सम्बन्धी 50 प्रकार के व्रतों की साधना मुनि श्री ने की जो क्रमशः निम्न प्रकार से है।

| | | |
|---|---|---|
| 1. अनंत चतुर्दशी व्रत के कुल | :: | 14 उपवास हो चुके |
| 2. भक्तामर व्रत के कुल | :: | 48 उपवास हो चुके |
| 3. चौबीस तीर्थंकर व्रत के कुल | :: | 24 उपवास हो चुके |
| 4. णमोकार व्रत के कुल | :: | 35 उपवास हो चुके |
| 5. श्री सम्मेद शिखर व्रत के कुल | :: | 25 उपवास हो चुके |
| 6. लघु समवशरण व्रत के कुल | :: | 24 उपवास हो चुके |
| 7. चतुर्दशी व्रत के कुल | :: | 344 उपवास हो चुके |
| 8. सहस्त्रनाम व्रत के कुल | :: | 365 उपवास हो चुके शेष करने है। |
| 9. दशलक्षण व्रत के कुल 10x20 | :: | 200 व्रत उपवास हो चुके |
| 10. सोलहकारण व्रत के कुल 32x16 | :: | 512 व्रत उपवास हो चुके |
| 11. अष्टान्हिका व्रत के कुल 24x17 | :: | 408 व्रत उपवास हो चुके |
| 12. मेघमाला व्रत के कुल 31x5 | :: | 155 व्रत उपवास हो चुके |
| 13. ज्ञान पच्चीसी | :: | 25 व्रत उपवास हो चुके |
| 15. श्रुत स्कंध व्रत के कुल 31x5 | :: | 155 व्रत उपवास हो चुके |
| 16. नवदेवता व्रत के कुल 9x9 | :: | 81 व्रत उपवास हो चुके |
| 17. नवग्रह शांती व्रत के कुल 9x9 | :: | 81 व्रत उपवास हो चुके |
| 18. सर्व दोष प्रायश्चित व्रत के कुल | :: | 33 व्रत उपवास हो चुके |
| 19. तत्वार्थ सूत्र व्रत के कुल 10x10 | :: | 100 व्रत उपवास हो चुके |
| 20. कवल चान्द्रायण व्रत के कुल | :: | 30 व्रत उपवास हो चुके |
| 21. चौंसठ ऋद्धी व्रत के कुल | :: | 64 व्रत उपवास हो चुके |
| 22. कल्याण मंदिर व्रत के कुल | :: | 44 व्रत उपवास हो चुके |
| 23. तीस चौबीसी व्रत के कुल | :: | 720 व्रत उपवास हो चुके |
| 24. पुष्पांजलि व्रत के कुल | :: | 25 व्रत उपवास हो चुके |
| 25. अट्ठाईस मूलगुण व्रत के कुल | :: | 28 व्रत उपवास हो चुके |
| 26. त्रैलोक्य जिनालय व्रत के कुल | :: | 48 व्रत उपवास हो चुके |
| 27. तीर्थकर पंचकल्याणक तीर्थव्रत के कुल | :: | 24 व्रत उपवास हो चुके |
| 28. विद्यमान बीस तीर्थंकर के कुल | :: | 20 व्रत उपवास हो चुके |
| 29. नवनिधि व्रत के कुल | :: | 9 व्रत उपवास हो चुके |
| 30. एकीभाव स्तोत्र व्रत के कुल | :: | 26 व्रत उपवास हो चुके |
| 31. पुण्यास्त्रव व्रत के कुल | :: | 108 व्रत उपवास हो चुके |
| 32. अष्टमी व्रत के कुल | :: | 196 व्रत उपवास हो चुके |
| 33. तपोंजलि व्रत के कुल | :: | 24 व्रत उपवास हो चुके |
| 34. वृहद समवशरण व्रत के कुल | :: | 170 व्रत उपवास हो चुके |
| 35. जिन गुण सम्पत्ती व्रत के कुल | :: | 63 व्रत उपवास हो चुके |
| 36. शांती भक्ति व्रत के कुल | :: | 16 व्रत उपवास हो चुके |
| 37. लघुसिंह निष्क्रीडित व्रत के कुल | :: | 60 व्रत उपवास हो चुके |
| 38. जिन मुखावलोकन व्रत के कुल | :: | 15 व्रत उपवास हो चुके |
| 39. त्रिकालवर्ती तीर्थकर व्रत के कुल | :: | 72 व्रत उपवास हो चुके |
| 40. कर्मदहन व्रत के कुल | :: | 156 व्रत उपवास हो चुके |
| 41. एकावली व्रत के कुल | :: | 84 व्रत उपवास हो चुके |
| 42. जम्बूदीप व्रत के कुल | :: | 78 व्रत उपवास हो चुके |
| 43. तेरह द्वीप जिनालय व्रत के कुल | :: | 13 व्रत उपवास हो चुके |
| 44. गणधर वलय व्रत के कुल | :: | 48 व्रत उपवास हो चुके |
| 45. सप्त ऋषी व्रत के कुल | :: | 7 व्रत उपवास हो चुके |
| 46. सप्त परम स्थान व्रत के कुल | :: | 7 व्रत उपवास हो चुके |
| 47. चरित्र शुद्धि व्रत के कुल | :: | 336 व्रत उपवास हो चुके शेष क्रमक्रम से चल रहे है। |
| 48. नव लब्धि व्रत | :: | 9 व्रत हो उपवास चुके |
| 49. पुरन्दर व्रत | :: | 8 व्रत हो उपवास चुके |
| 50. सर्वार्थ सिद्धि व्रत | :: | 8 व्रत हो उपवास चुके |

**25 वर्षो के अन्तराल में व्रत नियम संयम पूर्वक 50 प्रकार के व्रतो के कुल 5142 व्रत – उपवास कर अद्भुत कार्य किया**

## सन् 2005 से 2023 के मध्य मुनि श्री ने कई प्रकार के उपसर्ग-परिषहो को सहनकर उपवासपूर्वक कई-कई घण्टों तक लगातार खड़े रहकर खड़गासन अवस्था में कठोर काय क्लेश तप आत्मध्यान, जाप्य आदि की साधनाएँ निम्न स्थानों पर सम्पन्न की ।

| | | |
|---|---|---|
| 1. जैन भवन टोड़ारायसिंह जिला टोंक | :: | 28 घण्टे लगातार |
| 2. महावीर भवन, महावीर नगर, जयपुर | :: | 36 घण्टे लगातार |
| 3. तेरह पंथी नशियाँ, रेलवे स्टेशन, जयपुर | :: | 108 घण्टे लगातार |
| 4. श्री पार्श्वनाथ जिनालय, पार्श्वनाथ कालोनी, अजमेर | :: | 36 घण्टे लगातार |
| 5. श्री पार्श्वनाथ जिनालय, पार्श्वनाथ कालोनी, अजमेर | :: | 12 घण्टे लगातार |
| 6. श्री पार्श्वनाथ जिनालय, मालपुरा | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 7. श्री पार्श्वनाथ जिनालय, आमलियोकी बाड़ी, भीलवाड़ा | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 8. श्री चँवलेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ, भीलवाड़ा | :: | 116 घण्टे लगातार |
| 9. श्री बाहुबली जिनालय, रेवाड़ी हरियाणा | :: | 28 घण्टे लगातार |
| 10. श्री सहस्त्रकूट जिनालय, राधेपुरी, दिल्ली | :: | 45 घण्टे लगातार |
| 11. श्री महावीर जिनालय, वरूण पथ, मानसरोवर, जयपुर | :: | 8 घण्टे लगातार |
| 12. श्री चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र, तिजारा | :: | 12 घण्टे लगातार |
| 13. श्री पार्श्वनाथ जिनालय, गुरुग्राम, हरियाणा | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 14. श्री शांती जिनालय, नारनौल, हरियाणा | :: | 50 घण्टे लगातार |
| 15. श्री पार्श्वनाथ तीर्थ, भेलूपुर, काशी | :: | 6 घण्टे लगातार |
| 16. श्री शांतिनाथ जिनालय, शास्त्री नगर, दिल्ली | :: | 28 घण्टे लगातार |
| 17. श्री वासुपूज्य तीर्थ चम्पापुर रोड, भागलपुर | :: | 6 घण्टे लगातार |
| 18. श्री पार्श्वनाथ जिनालय मालपुरा | :: | 28 घण्टे लगातार |
| 19. श्री गौतम गणधर स्वामी टोंक, श्री सम्मेद शिखर जी | :: | 72 घण्टे लगातार |
| 20. श्री गौतम गणधर स्वामी टोंक, श्री सम्मेद शिखर जी | :: | 157 घण्टे लगातार |
| 21. श्री महावीर जिनालय आशियाना, लखनऊ | :: | 7 घण्टे लगातार |

## सन् 2005 से 2023 के मध्य मुनि श्री ने एक ही स्थान पर पद्मासन सुखासन अवस्था में लगातार बैठे रहकर निम्न स्थानो पर जप-तप-ध्यान साधनाएँ सम्पन्न की।

| | | |
|---|---|---|
| 1. श्री पुष्पदन्त जिनालय, चौकड़ी मोदीखाना, जयपुर | :: | 24 घण्टे लगातार |
| 2. जैन भवन, चोमू | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 3. छोटे धड़े की नशिया, अजमेर | :: | 8 घण्टे लगातार |
| 4. जैन भवन अलवर | :: | 12 घण्टे लगातार |
| 5. श्री शांतिनाथ जिनालय रेवाड़ी | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 6. श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, पाटनियान, सांगानेर | :: | 12 घण्टे लगातार |
| 7. श्री पार्श्वनाथ जिनालय, नवीन शाहदरा, दिल्ली | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 8. श्री शांतिनाथ जिनालय, न्यू उस्मानपुरा-दिल्ली | :: | 24 घण्टे लगातार |
| 9. श्री विमलनाथ तीर्थ, कंपिल जी, फररुखाबाद | :: | 96 घण्टे लगातार |
| 10. श्री आदिनाथ जिनालय, शकरपुर-लक्ष्मीनगर, दिल्ली | :: | 118 घण्टे लगातार |
| 11. श्री शांतिनाथ जिनालय, नारनौल, हरियाणा | :: | 120 घण्टे लगातार |
| 12. गुणायतन-निहारिका श्री सम्मेद शिखर जी (वर्षायोग 2022 में भक्तामर दीपार्चना के अवसर पर) | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 13. राजेन्द्रधाम-शिखर जी में (सिद्धायतन पंचकल्याणक के अवसर पर) | :: | 10 घण्टे लगातार |
| 14. शाश्वतभूमि अयोध्या तीर्थ (सन् 2023 में तीस चौबीसी पंचकल्याणक स्थल पर | :: | 12 घण्टे लगातार |
| 15. महावीर जिनालय आशियाना, लखनऊ | :: | 9 घण्टे लगातार |
| 16. श्री आदिनाथ जिनालय, अय्यागंज | :: | 13 घण्टे लगातार |
| 17. श्री महावीर जिनालय, इन्द्रानगर, लखनऊ | :: | 13 घण्टे लगातार |

तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी की 25 टोंको की मुनि श्री ने दस महिने में 300 बार चरण वन्दना की 300 वन्दना के साथ मुनि श्री ने एक और अद्भुत कीर्तिमान स्थापित किया उन्होने 25 टोंको में हर एक कूँट की लगातार 1008-1008 परिक्रमा लगाकर अद्भुत भक्ति प्रदर्शित की। 55 किलोमीटर वाली श्री सम्मेद शिखर पहाड़ की बाहर से 5 बार परिक्रमा भी लगाई। इसके अतिरिक्त तेरह पंथी कोठी के श्री पुष्पदन्त जी की, सहस्त्रकूट जिनालय जी की, वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री विमल सागर जी की छतरी की, चम्पापुर तीर्थ के श्री वासुपूज्य जी की, महावीर जी के श्री महावीर स्वामी की, पद्मपुरा के श्री पदमप्रभु जी की, आदिश्वर धाम हरिद्वार के श्री आदिनाथ जी की, श्री विमलनाथ भगवान की जन्म स्थली कंपिला के श्री विमलनाथ जी की, भेलूपुर काशी के श्री पार्श्वनाथ जी की, श्री शीलतलनाथ जी की जन्मभूमि इटखोरी के श्री शीतलनाथ जी की, श्रावस्ती के श्री सम्भवनाथ जी की, शाश्वत तीर्थ अयोध्या में श्री आदिनाथ जी की वेदी, बाराबंकी के श्री बाहुबली जी की लगातार 1008-1008 परिक्रमा लगाकर सहस्त्रनाम द्वारा भगवान के 1008 नामों का उच्चारण कर उनके जैसा बनने की भावना प्रकट की।

शिखर जी प्रवास में अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज जो कि स्वर्ण भद्रकूट पर सिंह निष्क्रीडित व्रत की 557 दिन की साधना कर रहे थे।
जिसमें 496 उपवास व 61 पारणाए थी मुनि श्री 9 महिने तक उनकी हर पारणा में शामिल हुए। एक बार तो आचार्य श्री प्रमुख सागर जी आचार्य गुरूवर श्री विशद सागर जी संघ सानिध्य में निकलने वाली शोभा यात्रा में समय काफी लग गया । मुनि श्री ने सोचा आज तो अन्तर्मना का पारणा आहार चर्या नही देख पाऐगे जैसे ही आचार्य श्री विमल सागर जी की छतरी पर पहुँचे अन्तरंग से आवाज आई चलो तुम्हे पहाड़ चढ़ना है। उस समय मात्र 75 मिनट में विमल छतरी से स्वर्ण भद्रकूट का सफर तय किया आहार खत्म होते होते पारणा के अन्तिम क्षणों को आँखो से निहारा। वापसी में गोतम गणधर टोंक से बीस पंथी कोठी पहुँचने में मात्र 55 मिनट का समय लगा। मात्र 75 मिनट में स्वर्ण भद्रकूट पहुँचना और मात्र 55 मिनट में पद्यात्रा करते हुए नीचे उतरना। अपने आप में अद्भुत घटना थी ऐसे लग रहा था कि मुनि श्री के साथ कोई अद्रश्यशक्ति काम कर रही हो। 15 जनवरी को पहाड़ पर आदिवासी समाज का हजारो की संख्या में आदमी था ज्ञानधर कूट पर मुनि श्री जाप कर रहे थे उस समय कुछ असमाजिक तत्व के लोगों ने मुनि श्री के साथ अभद्रव्यवहार किया कई प्रकार के अपशब्दों का अश्लील शब्दो का प्रयोग किया उपसर्ग किया लेकिन मुनि श्री ने समताभाव रखकर बड़े धैर्य के साथ उस उपसर्ग को सहा। मुनि श्री ने दीक्षा के तुरन्त बाद से 6 महीने तक मौन व्रत की एवं कंपिला वर्षा योग में 64 ऋद्धि व्रत की 66 दिन के अखण्ड मौन के साथ साधना की।
फाल्गुन की अष्टान्हिका में 8 उपवासपूर्वक 157 घण्टे की कठोर कायक्लेश तप लगातार खड़गासन साधना शिखर जी में गोतम गणधर टोंक पर करके अद्भुत समता का परिचय दिया। लखनऊ वर्षायोग में लगातार 120 दिन तक व्रत उपवासों की कठोर साधना की 48 घण्टे बाद कभी 72 घण्टे निर्जल उपवास के बाद मात्र एक अंजुली प्रमाण मखाने की खीर पानी लेकर चार माह की उत्कृष्ट ऊनोदर तप व उपवासो की साधना कर अपनी चर्यापूर्ण की। परम पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी के मंगल आशीर्वाद से साहित्य रत्नाकर आचार्य गुरुवर श्री विशद सागर जी महाराज अब तक 400 प्रकार के जिन धर्म सम्बन्धी ग्रन्थो का लेखन कार्य कर चुके है उसमें से 250 प्रकार के पूजन विधान भी है। मुनि श्री ने आचार्य श्री के अधिकांश ग्रन्थों का संकलन / संपादन करने का भी सौभाग्य प्राप्त किया, भारत के विभिन्न जिनालयों में 1008 बार आचार्य श्री द्वारा रचित विधानो को मंत्रोच्चार पूर्वक करवा चुके है। 19 साल से गुरुवर की छत्रछाया में साधनारत है ऐसे सरल स्वभावी तपस्वी सन्त के श्री चरणों में शत् शत् नमन –

**संकलन : ब्र. आरती दीदी**

असम्भव को सम्भव करने वाले तीसरे तीर्थंकर भगवान सम्भवनाथ की चार कल्याणकों से सुशोभित एवं अतिशय नगरी श्रावस्ती में नव निर्मित
भव्य गगन चुम्बी तीन मंजिला जिनालय
प्रथम तल पर विशाल : सहसकूट जिनालय में १००८ प्रतिमाओं के अद्भुत दर्शन एवं नवग्रह का विशाल मन्दिर
द्वितीय तल पर : पंच मेरू दर्शन, नन्दीश्वर दीप रचना
तृतीय तल पर : श्री सम्मेद शिखर जी की विशाल मनोहर रचना
भगवान सम्भवनाथ की 31 फुट ऊंची गगन चुम्बी प्रतिमा का दर्शन कर अपनी मनोकामना पूर्ण करें।
क्षेत्र पर एक बार अवश्य पधारें।
श्रावस्ती जी लखनऊ राजधानी से मात्र 160 कि.मी. की दूरी व अयोध्या जी तीर्थ क्षेत्र से मात्र 125 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।
कार्यालय नं0 : 8840763525, 9140379917
प. पू. क्षमामूर्ति आचार्य 108 श्री विशदसागरजी महाराज
पूर्व नाम : रमेश चन्द जैन
पिता : स्व. श्री नाथूराम जैन, माता : श्रीमती इन्दर देवी जैन
जन्म : चैत्र कृष्ण चतुर्दशी, 11 अप्रैल 1964, कुपी-छतरपुर
ऐलक दीक्षा : मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी, 18 दिसम्बर 1993, श्रेयांसगिरि (प)
मुनि दीक्षा : फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी, 8 फरवरी 1996, द्रोणगिरि (छतरपुर)
आचार्य पद : माघ शुक्ल बसंत पंचमी, 13 फरवरी 2005 मालपुरा (राज.)
कुशल काव्य सृजेता आचार्य गुरूदेव श्री 108 विशद सागर जी महाराज की अमृत वाणी सुनने के लिए
Subscribe करें।
You Tube Channel : Vishad Gyanamrit
गुरूदेव के करकमलों द्वारा रचित विधान हेतु देखें : www.vishadsagar.com
नमनकर्ता : अविनाश जैन, मीनाक्षी जैन, आंचल जैन, काजल जैन, श्रृजन जैन
श्रावस्ती पेपर्स एण्ड कार्ड हाउस परिवार, चित्रशाला रोड, बहराइच
मुद्रक : श्रावस्ती प्रिन्टर्स, बहराइच - 6307836548

# एंटी कन्वर्जन कानून का प्रभाव और औचित्य

अजय दीक्षित

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश ने बहुत सख्त धर्म परिवर्तन कानून लागू किया है । ऐसा ही कानून उत्तराखण्ड और असम में भी पारित हो चुका है । इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों का कहना है कि इससे %लव जिहाद% रुकेगा । अब लव जिहाद की कोई परिभाषा निर्धारित नहीं है । राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अध्यक्ष डा. मोहन भागवत और पूर्ववर्ती अध्यक्ष भारत को एक हिन्दू राष्ट्र कहते हैं परन्तु इसको विस्तृत करके भारत के मुसलमानों और ईसाईयों को भी हिन्दू मानते हैं क्योंकि वे यहीं के धर्म परिवर्तित हैं । एंथ्रोपोलॉजी कल सर्वे आफ इण्डिया ने सौ खण्डों में पीपुल ऑफ़ इण्डिया में भारत के समुदायों का अध्ययन किया है । उसके अनुसार भारत के सभी समुदायों में मात्र एक समुदाय अरब से आया है । शेष यहीं के धर्म परिवर्तित हैं । इस अध्ययन में यह भी कहा गया है कि अनेक मुस्लिम समुदाय धर्म परिवर्तन से पहले के नियमों को मानते हैं । कई मुस्लिम समुदायों में घर में किसी की मृत्यु होने पर सूतक लगता है । अनेक मुस्लिम स्त्रियां बिछवे पहनती हैं । मांग भर्ती हैं । मंगलसूत्र पहनती हैं । ऐसा ही धर्म परिवर्तित ईसाईयों में भी होता है ।असल में लव जिहाद क्या है? होना तो यह कि लड़की जब किसी लड़के से प्यार करती है तो उसको लड़के के बारे में सभी कुछ मालूम होना चाहिए । रोज अखबारों में पढ़ते हैं कि शादी के बाद लड़की को पता चलता है कि लड़का मुसलमान है और वह धर्म परिवर्तन पर जोर दे रहा है । तो गलती किसकी है? लड़की की ओर उसके मां-बाप की । आजकल ज्यादातर घरों में दोनों नौकरी करते हैं । उन्हें मालूम ही नहीं कि उनके बच्चे विशेष कर उनकी लड़की क्या कर रही है ? आजकल मोबाइल में भी स्थिति बिगाड़ दी है ।अनेक अंर्त धार्मिक विवाहों में लड़के- लड़की अपना-अपना धर्म मानते हैं और कोई भी धर्म परिवर्तन पर जोर नहीं देता । फारूक अब्दुल्ला की बेटी सारा अब्दुल्ला ने एक हिन्दू राजनेता सचिन पायलट से शादी की है । वे राजस्थान के बड़े नेता हैं । फारूक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला की पत्नी हिन्दू है । वह मंदिरों में जातीं है कोई रोक-टोक नहीं है । अनेक भाजपा के नेताओं की पत्नियां भी हिन्दू हैं और कोई किसी को धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य नहीं करता । उनके बच्चे जैसा चाहे वैसा धर्म अपना लेते हैं । यह धर्मांतरण ज्यादातर पैसे के लालच में होता है या फिर समाज में उनकी दयनीय स्थिति के कारण । अब कानून बना है कि यदि कोई अपना धर्म परिवर्तन करना चाहे तो उसे जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर से आज्ञा लेनी होगी । क्या यह संविधान में दिये गये धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध नहीं है ! धोखे से शादी करके बाद में धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य करना वास्तव में अपराध है परन्तु इसके लिए लड़की स्वयं कितनी जिम्मेदार है कि जिस लड़के के प्यार में पागल होकर उससे शादी कर ली, उसकी बैक ग्राउण्ड के बारे में उसे कुछ नहीं मालूम । अनेक मुस्लिम लड़कियों ने भी हिन्दू लड़कों से शादी की है और बाद में हिन्दू धर्म अपना लिया है । असल में तो सच्चे प्यार में धर्म बीच में आता ही नहीं । आप अपनी आस्था को मानें परन्तु ज्यादातर आज के लड़के-लड़कियों का प्यार इंफ्रैक्चुएशन है ।

दैनिक
# विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 31 अगस्त 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com


## साधू का जीवन असाधारण होता है, उनके माध्यम से अनेक जीवों का कल्याण होता है : मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज

**इंदौर (विश्व परिवार)।** साधू का जीवन असाधारण होता है, उनके माध्यम से अनेक जीवों का कल्याण होता है। उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने रैसकोर्स रोड़ पर प्रात:कालीन प्रवचन सभा में सोलहकारण प्रवचन पर साधु समाधि भावना पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि कोई सामान्य व्यक्ति यदि अपराध करता है तो उसे उसी दृष्टि से डंड दिया जाता है लेकिन कोई विशिष्ट व्यक्ति अपराध करता है तो न्यायिक दृष्टी से उस व्यक्ति को उस अनुसार डंडित किया जाता है मुनि श्री ने कहा कि जब जब भी धर्म पर आपत्ति विपत्ति आई है तो इतिहास साक्षी है कि धर्म और धर्मायतनों की रक्षा के लिये व्यक्ति ही नहीं वल्कि पशुओं ने भी रक्षा की है।उन्होंने एक कथा के माध्यम से कहा मुनिराज गुफा में तपस्या कर रहे थे तो एक सूकर उधर से गुजरा उसने देखा कि गुफा शेर की ओर आ रहा है मुनिराज की रक्षा के लिये वह शूकर कम शक्तिशाली होंने पर भी शेर से युद्ध करता है, और दौनों घायल होकर मरण को प्राप्त करते है, सूकर की भावना मुनिराज की रक्षा के थे तो वह मरकर देव बनता है और शेर नरकगति में पहुंचता है। साधू तो हमेशा समाधी में ही रहते है, इसलिये उनको तो कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन श्राबकों का कर्तव्य है कि जो दर्शन ज्ञान चारित्र रूपी रत्नात्रय की आराधना कर रहे है ऐसे साधुओं को उनकेअनूकूल बातावरण का निर्माण करें।जंहा सहजता समानता और सरलता है, वंहा का बातावरण स्वत: प्रतिकूल रहता है। मुनि श्री ने कहा कि असहनशीलता तो क्रोध की अभिव्यक्ति है, मुनि श्री ने कहा कि क्रोध को बड़ाने बाले निमित्त तो बाहुतायत मे मिलतेहै, वंहीबहूत कम लोग होते है, जो क्रोध को क्षमा के जल से शांत करते है आग पर पेट्रोल डालोगे तो वह आग और भड़केगी? प्राय: लोग क्रोध को क्रोध से जीतना चाहते है जो उस आग को और बड़ा देती है, मुनि श्री ने कहा कि कुछ बातों को बरदाश्त करो तो बातों को नजर अंदाज करो यदि आपके अंदर यह क्षमता आ गयी तो फिर कोई आपको कोई क्रोध नहीं दिला सकता। जब जब भी क्रोध आएगा तो आप अपनी मर्यादा से बाहर हो जाओगे और वह तुम्हें तुम्हारे स्वभाव से बाहर निकाल कर चांडाल बना देता है, हृदय में लोभ क्षोभ और कुटिलता तथा कृपण बना देता है ये चारों बाते हमारे आपके जीवन को तहस नहस कर देती है।अंत में मुनि श्री ने कहा कि जिन लोगों को क्रोध आता है उनको यह भावना भानी चाहिये कि में सहज बनू-में शांत बनू यह भावना उनके क्रोध को कम करेगी। मीडिया प्रभारी राहुल जैन प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया आने बाले समय में दि. जैन समाज के 8 सितंबर से 17 सितंबर तक दशलक्षण महापर्व प्रारंभ होंने जा रहे है इस अवसर पर श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन मोहताभवन में किया जा रहा है। जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है वह सभी लोग प्रवचन और तत्वार्थसूत्र की कक्षा में भाग ले सकते है। दशलक्षण पर्व में प्रवचन समय 8:45 से 10 बजे तक का रहेगा। धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी, महोत्सव अध्यक्ष नवीन गोधा महामंत्री हर्ष जैन, मनोज बाकलीवाल, सहित सभी पदाधिकारियों ने सभी साधर्मी बंधुओं से इसका लाभ उठाने की अपील की है। -**अविनाश जैन**

## स्वस्ति श्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी संस्थान मठ नांदणी में श्रावक संयम साधना संस्कार शिविर का आयोजन 8 से 17 सितंबर 2024 तक

**नांदेणी (विश्व परिवार)।** स्वस्ति श्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी संस्थान मठ नांदणी में श्रावक संयम साधना संस्कार शिविर का आयोजन 8 सितंबर से 17 सितंबर 2024 तक हो रहा हैं। जिसमे अध्यात्मयोगी आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज (25 पिच्छी संसघ) का मंगल सानिध्य प्राप्त होगा।

धन्य हैं वे नांदणी महाराष्ट्र के श्रावक जिनको पर्युषण पर्व में आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के मुखारविंद से अमृत पान का अवसर मिला हैं। जैन धर्म के सभी त्योहारों में पर्युषण पर्व बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। आचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया कि पर्युषण पर्व साल में तीन बार आता हैं जो माघ, चैत्र और भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी से प्रारंभ होकर चोदश तक चलते हैं द्य ये दशलक्षण पर्व न केवल जैनो को, आपितु समुचे प्राणी-जगत को सुख-शांति का संदेश देते हैं। सारा ब्रह्मांड ऊर्जा के बल पर ही संचालित है। ऊर्जा का स्त्रोत परमाणु में इलेक्ट्रोन-प्रोटन रूप है, तो शरीर में अनंत शक्ति का स्त्रोत आत्मा है। जिस प्रकार शरीर में भोजन करने पर रसादि करने पर खून आदि बनकर अंतिम शक्तिशाली तत्व बनता है, जो कि महाशक्तिशाली होता है। यदि हम उस शक्ति को अपने निज स्वरूप में लीन होकर पूरे शरीर में समाहित कर लें, तो हमारे अंदर निश्चित रूप से ब्रह्मत्व प्रकट हो जाता है।

आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा कि जिस शक्ति के सामने सारे ब्रह्मांड की शक्ति भी कुछ नहीं हैं। उसी आत्मशक्ति को पाने के लिए संत व महापुरुष तपस्या करते हैं। तप के द्वारा अपने अंदर की ऊर्जा को रिजर्व करते हैं क्यों कि ईश्वर महाशक्ति का पुंज है। ऐसी महाशक्ति को पाने के लिए हमें सबसे पहले सारी ऊर्जा को एकत्रित करके शक्तिशाली होना पड़ता है। इसी शक्ति को पाने के लिए संत लोग ब्रह्मचर्य व्रत को धारण करते हैं। आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा कि इसी ब्रह्मचर्य को धारण करने पर संत को अनेक मंत्र-तंत्र की सिद्धियां स्वयं ही प्राप्त हो जाती हैं। यही कारण है कि पूरे ब्रह्मांड में तपस्या में लीन संत का सामना करने में सारे इन्द्र भी सक्षम नहीं है। ऐसे संत के तेज के सामने सारी दुनियां की शक्ति भी कमजोर पड़ जाती है। आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा कि जिस प्रकार पानी को ऊपर उठाने के लिए यंत्र की जरूरत होती हैं, वैसे ही अपने अन्दर शक्तियों को विकसित करने के लिए ब्रह्मचर्य के महामंत्रों की आवश्यकता होती है। जो लोग ब्रह्मचर्य का पालन नहीं करते वे लोग शरीर और आत्मबल से कभी भी ताकतवर नहीं होते। ऐसे लोग निश्चित रूप से शारीरिक व मानसिक दोनों से कमजोर होते हैं। प्रणायाम व ध्यान करने से ब्रह्मचर्य को मजबूत बनाया जा सकता है और शरीर की सारी ऊर्जा को एकत्रित करके मस्तिष्क तक ले जाया जाता है इससे वह ऊर्जा ज्ञान में ही नही महाज्ञान में बदल जाती हैं।

अपने अंदर ईश्वर को विद्यमान निज स्वरूप को पहचाने- आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा कि भगवान महावीर, हनुमान व श्रीराम ने भी अपनी ऊर्जा को उर्ध्ववायाम देकर सर्वज्ञान को पाया है, जो सर्वज्ञ हुए हैं। अत: प्रत्येक व्यक्ति को ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करना चाहिए और अपने अंदर ईश्वर को विद्यमान करके सभी सांसारिक क्रियाओं से दूर रहकर अपने निज स्वरुप को पहचानना चाहिए, तभी हम ईश्वर की सच्ची आरधना कर सकते हैं। अत: हर व्यक्ति के जीवन में ब्रह्मचर्य व्रत होना चाहिए।

दिगंबराचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी ने कहा कि हे माँ, घर के काम न करना पडे इसलिए शास्त्र मत पढना, कर्मो का नाश हो जाये इसलिए शास्त्र पढना। -**अभिषेक अशोक पाटील**

## मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज ने कहा- विचारों का मूल्य होता है मात्र शब्दों का नहीं

**जबलपुर (विश्व परिवार)।** निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 प्रसाद सागर जी महाराज ने शिक्षा के मूल्यों को उद्घाटित करते हुए कहा की स्वाध्याय मन की खुराक है। वह तन को ही नहीं बाह्य जगत् में भागते हुए मन को भी मन्त्र की तरह कीलित कर अन्तर्मुखी करता है। माँ जैसे अपने बेटे को अहित पथ से बचाकर सन्मार्ग में लगाती है, ठीक वैसे ही जिनवाणी माता भव्यात्माओं को सतपथ पर लगाकर स्वस्थसंपोषित करती है। भूमिका के अनुसार गुरु निर्देशन में किया गया स्वाध्याय विरागता का फल प्रदान कर, पर्त दर पर्त चेतना का शोधन करता है। आप पायेंगे कि वक्ता-श्रोता और ज्ञानीअज्ञानी के स्वरूप सन्दर्भों के साथ-साथ तत्व-सिद्धांत के सरस सीकरों से इस खण्ड को काफी हद तक अभिषित किया गया है। स्वाध्याय का अर्थ मात्र लिखना पढ़ना ही नहीं है बल्कि आलस्य, असावधानी के त्याग का नाम भी स्वाध्याय है।बार-बार पढ़ने से ज्ञान में रस आने लगता है यानि ज्ञान अनुभव में आ जाता है और अनुभव ही सबसे बड़ा मन्त्र है।शरीर भी एक खुली किताब का काम कर सकता है यदि चिन्तन की कला है तो।इसलिए वही पढ़ो, वही सीखो, वही करो जिसके उपसंहार में आत्मा सुख-शांति का अनुभव कर सके अत:शिक्षा वही श्रेष्ठ है जो जन्म-मरण का क्षय करती है।'स्वाध्याय परमं तप:' कहा गया है यह बात ठीक है किन्तु ध्यान रहे तप, व्रत अंगीकार करने के बाद ही आता है। अतः व्रतों (अणुव्रत, महाव्रत) को अंगीकार किये बिना जो पठन-पाठन किया जाता है वह स्वाध्याय भले ही हो पर तप कभी नहीं हो सकता। ऐसा बता कर महाराज श्री ने उन सभी अध्यापक गण की विशेष प्रशंशा करी जो बच्चो के जीवन को उज्जवल बनाने में सदैव तत्पर रहते है।

-**आलिंद जैन**

## पर्युषण महापर्व आज से प्रारंभ, श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर की प्रभु भक्ति में गायकों का जमघट

**रायपुर (विश्व परिवार)।** खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी म सा द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि प्रतिदिन रात्री 8:15 बजे से दादागुरुदेव इक्तिसा जाप व प्रभु भक्ति महोत्सव में छत्तीसगढ़ के ख्यातिनाम जैन भजन गायक प्रस्तुति देंगे। श्री पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस सुप्रसिद्ध जैन भजन गायक श्री हिमांशु बुरड़ भैरव सोसायटी स्थित जिनमंदिर में भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे। आज की प्रभुभक्ति के लाभार्थी मूलचंद संतोष सरला बैद परिवार हैं। द्वितीय दिवस 1 सितंबर को प्रसिद्ध गायक मयंक डागा प्रभु भक्ति की अलख जगाने प्रस्तुति देंगे जिसके

**प्रात: 5 बजे जिनमंदिर के पट खुलेंगे, स्नात्र, अष्टप्रकारी व नवांगी पूजन दोपहर प्रभु प्रतिमाओं की आंगी, दादागुरुदेव इक्तिसा जाप व प्रभु भक्ति में कूपन से ड्रा व तीन श्रद्धालुओं को पुरस्कार**

लाभार्थी महेन्द्र कुमार तरुण कुमार मानस गौरव कल्प कोचर परिवार हैं। पर्युषण पर्व के अवसर पर प्रात: 5 बजे मंदिर जी के पट खोले जाएंगे, परमात्मा के जन्मकल्याणक की स्नात्र पूजा, अष्टप्रकारी पूजा, परमात्मा की नवांगी पूजा, चैत्यवन्दन होगा। विश्व में एकमात्र जैन धर्म में ही कोई भी श्रावक श्राविका प्रभु परमात्मा के मूल गंभारे में जाकर मूर्ति को स्पर्श कर पूजन कर सकता है। दोपहर में श्री सीमंधर महिला मण्डल, विमल महिला मण्डल व भैरव सोसायटी श्रीसंघ के भक्तों द्वारा परमात्मा व दादागुरुदेव की मूर्तियों की आंगी सजावट की जावेगी। रात्रि में 8:15 बजे से प्रभु भक्ति व दादागुरुदेव इक्तिसा जाप होगा। आरती व मंगल दिवा पश्चात जिनमंदिर के पट मंगल होंगे। आज से प्रतिदिन वर्तमान काल में महाविदेह क्षेत्र में विराजमान श्री सीमंधर स्वामी की प्रतिमा, सुमति नाथ जी, पार्श्वनाथ जी, महावीर स्वामी, गौतम स्वामी जी व चारों दादागुरुदेव की प्रतिमाओं की मनमोहक आंगी बनाई जावेगी। -**महेंद्र कोचर**

**आरंग में है नवग्रहों की दुर्लभ प्रतिमा**

## सांसारिक सुख, शांति, समृद्धि इत्यादि की प्राप्ति के लिए होती है नवग्रहों की पूजा : डॉ. शुभ्रा रजक तिवारी

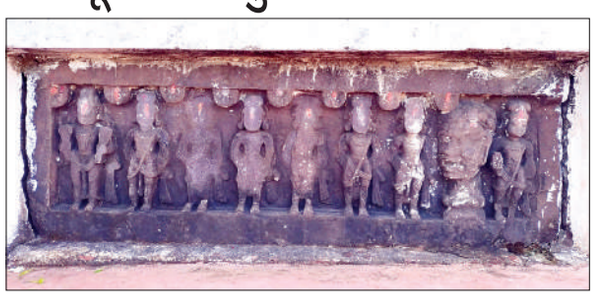

**आरंग (विश्व परिवार)।** पुरातात्विक नगरी आरंग में जगह-जगह अनेक पुरा अवशेष हैं। जिनमें से एक है नगर के रानीसागर तालाब किनारे स्थित त्रिलोकी महादेव मंदिर के दीवारों में स्थित है नवग्रहों की प्रतिमा। जानकार बताते हैं इस प्रकार का नवग्रह पट्ट प्राचीन मंदिरों के प्रवेशद्वार के ऊपरी भाग में स्थापित किया जाता था, जिसके दर्शन पश्चात ही गर्भगृह में प्रवेश किया जाता था।

वहीं तामासिवनी निवासी पुराविद् एवं प्रांत सहसंयोजक प्राचीन कला विधा डॉ. शुभ्रा रजक तिवारी बताती हैं कि यह नवग्रह पट्ट नवमी - दसवीं शताब्दी में निर्मित प्रतीत होता है। इस नवग्रह पट्ट में दाई ओर राहू एवं केतु तथा बाई ओर सूर्य का अंकन स्पष्ट दिखाई दे रहा है। ऐसी नवग्रह की प्रतिमाएं बहुत ही कम जगहों पर मिलती है। महासमुन्द जिला स्थित प्रख्यात पुरातात्विक स्थल सिरपुर के गन्धेश्वर मंदिर परिसर में आठवीं शताब्दी का सूर्य सहित नवग्रहों का अंकन मिलता है। इस स्थल के उत्खनन से भी सूर्य प्रतिमा की प्राप्ति हुई है। डीपाडीह में सामत सरना मंदिर परिसर में जो कि बलरामपुर जिले के अंतर्गत आता है, वहाँ भी नवीं शताब्दी ईसवी के प्राप्त नवग्रह पट में सूर्य का अंकन दृष्टिगोचर होता है। इसी तरह जिला पुरातत्त्व संग्रहालय जगदलपुर में भी कुरूशपाल से प्राप्त लगभग बारहवी - तेरहवी शताब्दी ईसवी की नवग्रह पट्ट की प्रतिमा रखी हुई है। इस प्रकार हम देखते हैं कि समूचे छत्तीसगढ़ में प्राचीन काल में सौर संप्रदाय के अंतर्गत नवग्रहों के पूजा का भी विधान रहा है। छत्तीसगढ़ के अनेक मंदिरों के द्वार शाखाओं में भी नवग्रहों का अंकन दिखाई देता है।

नवग्रहों का ज्योतिष शास्त्र में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, गुरू, शुक्र, शनि, राहु तथा केतु को नवग्रहों में सम्मिलित किया गया है। नवग्रहों की पूजा सांसारिक सुख समृद्धि, शांति तथा ऐश्वर्य प्राप्ति के निमित्त प्राचीन समय से ही होती रही है। याज्ञवल्क्य ऋषि ने स्वर्ण, रजत, ताम्रपत्र आदि के पट्ट पर नवग्रहों की स्थापना कर उनकी पूजा का विधान बताया है। पट्ट पर नवग्रहों की स्थापना कर उसके पूजन की विधि समाज में आज भी प्रचलन में दिखाई देती है। नगर के सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संयोजक व मूर्तियों की जानकारी संकलन कर रहे समाजसेवी महेन्द्र पटेल बताते हैं इस प्रकार की प्रतिमाएं नगर में अन्यत्र कहीं और देखने को नहीं मिलती। यहां स्थित प्रतीमा में एक ही पत्थर में नवग्रहों की सुंदर छवि को दर्शाया गया है। काफी लंबे समय से यह प्रतिमा खुले में होने के कारण कुछ मूर्तियां खंडित हो चुकी है।

## सेठ फूलचंद महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

**नवापारा राजिम (विश्व परिवार)।** अंचल की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था सेठ फूलचंद महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस मेजर ध्यानचंद जी हॉकी के जादूगर के जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रकार के खेल जिसमे शतरंज, टेबल टेनिस जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें टेबल टेनिस के छात्रा वर्ग में मुस्कान रात्रे बीएससी सेकंड ईयर प्रथम सुमन यदू बीए फाइनल द्वितीय स्थान एवं छात्र वर्ग में वेदांत साहू बीएससी सेकंड ईयर प्रथम स्थान पर एवं अनिकेत ढीढी पीजीडीवाई, शतरंज प्रतियोगिता में रवि जैन बीकॉम फर्स्ट ईयर प्रथम एवं मयंक साहू बीकॉम फर्स्ट ईयर द्वितीय रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर शोभा गावरी एवं उप प्राचार्य डॉ मनोज मिश्रा, समाजशास्त्र विभाग प्रमुख डॉ सी एल साहू, खेल विभाग अधिकारी शिव कुमार पांडेय के द्वारा विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया, प्राचार्या डॉ गावरी ने, अपने संबोधन में खिलाड़ियों को हमेशा अच्छे से अच्छा प्रयास करते रहने और जीत-हार में ध्यान ना दें अपने अभ्यास पर ही ध्यान देने बात प्रमुखता से कही।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विकास बंजारे, प्रोफेसर जीवनलाल गायकवाड, प्रोफेसर बबलू यादव, प्रोफेसर श्यामा शांडिल्य, बीएड विभाग के प्रोफेसर तरुण साहू, प्रोफेसर संतोष शर्मा, प्रोफेसर चंद्रहास साहू एवं प्रोफेसर विशाल शुक्ला भी उपस्थित रहे इस संपूर्ण आयोजन को सफल बनाने में विद्यार्थियों अजय पटेल, सूरज गिलहरे, हेमंत, चंचल, सुमन, डिंपल, मयंक, सूर्यकांत यदू, सविता पुरेना, भारती साहू, गीतांजलि ढीढ़ी, उपासना साहू का भी विशेष योगदान रहा।

## राधा कृष्ण मंदिर में गैलेक्सी स्कूल के बच्चों ने मनाया कृष्ण जन्माष्टमी

**नवापारा राजिम (विश्व परिवार)।** नवापारा नगर के प्रतिष्ठित राधा कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर गैलेक्सी स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चे राधा, कृष्ण एवं गोप गोपियों की की आकर्षक वेषभूषा में पहुंचे तो वहां का पूरा मंदिर परिसर कृष्णमय हो गया। मंदिर के पुजारी एवं वहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने सभी बच्चों की तिलक लगाकर पूजा अर्चना की एवं बिस्कुट एवं चाकलेट का वितरण किया। मंदिर परिसर में बच्चों ने पिरामिड बनाकर मटका फोड़ एवं दही लुट का आनंद भी लिया। इसके पश्चात सभी छात्र-छात्राओं के लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा दही हांडी का कार्यक्रम रखा जिसमें सभी वर्गों के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर कुछ छात्र-छात्रा ने मोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अलावा सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के लिए प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।विद्यालय के संरक्षक राजीव पुराणिक ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण को 64 कलाओं का ज्ञान था. ये कलाएं हैं: इनमें से प्रमुख कलाएं हैं गायन, वादन, नर्तन, नाटक करना, चित्रकला, रूप बनाना, माला गूँथना, मुकुट बनाना, वेश बदलना, पुस्तक-वाचन आदि। श्री कृष्ण को ये कलाएं पहले से ही आती थीं, लेकिन उनका जन्म एक साधारण इंसान के रूप में हुआ था, इसलिए उन्होंने गुरु के पास जाकर इन्हें सीखा।

## साय सरकार की अपील : देखो अपना देश अभियान में वोट कर अपने राज्य के गंतव्यों को बनाएं राष्ट्रीय धरोहर

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे देखो अपना देश अभियान में सक्रिय भागीदारी करें। इस अभियान के तहत देशभर के नागरिकों को अपने राज्य के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों के लिए वोट करने का मौका मिल रहा है, और छत्तीसगढ़ के अद्वितीय और खूबसूरत गंतव्यों को इस राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का यह एक सुनहरा अवसर है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक स्थलों को पूरे देश में पहचान दिलाने का यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि वे अपने राज्य के गंतव्यों के लिए वोट करें और इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

**वोट कैसे करें**- वोटिंग के लिए नागरिकों को वेबसाइट https://forms.gle/ANvrFcQq&gzzEkSw| का उपयोग करना होगा। इस फॉर्म के माध्यम से लोग छत्तीसगढ़ के उन स्थलों के लिए वोट कर सकते हैं, जिन्हें वे राज्य और देश का गौरव मानते हैं। राज्य सरकार ने भी सभी से आग्रह किया है कि वे इस लिंक को अपने सोशल मीडिया पर साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान में भाग ले सकें।

**अंतिम तिथि**- इस अभियान में वोट करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2024 है। इसके बाद, चुने गए गंतव्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया जाएगा, जिससे राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा होंगे। छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

## केन्द्रीय पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में पश्चिमी व मध्यवर्ती तथा संघ राज्य...पेज-8 का शेष

मंत्री श्री कश्यप ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़, प्राचीन स्मारकों, दुर्लभ वन्यप्राणियों, नक्काशीदार मंदिरों, बौद्ध स्थलों, राजमहलों, जलप्रपातों, गुफाओं और प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्रों से परिपूर्ण राज्य है। हमारा राज्य ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के साथ गौरवशाली प्राचीन लोक संस्कृति का भी अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय से भी पूरा सहयोग प्राप्त होता रहा है। हमने अनेक परियोजनाएँ केंद्रीय सहायता से विकसित की हैं। स्वदेश दर्शन में 'ट्रायबल टूरिज्म सर्किट' विकसित किया है। प्रशाद योजना में डोंगरगढ़ का कार्य अंतिम चरणों में है। इसके पूर्व जगदलपुर, चित्रकोट, भोरमदेव, सिरपुर, रतनपुर, मैनपाट, राजिम, मल्हार आदि स्थलों को केंद्रीय सहायता से विकसित किया है। इसमें राज्य बजट से भी कार्य कराया गया है।

इन विकास कार्यों से और पर्यटन के व्यापक प्रचार-प्रसार से अब यहाँ पर्यटक आने लगे हैं और लगातार पर्यटकों की संख्या बढती जा रही है। आने वाले समय में राज्य में शक्तिपीठ स्थलों का विकास किया जायेगा। हम रोपवे एवं क्रूज पर्यटन के विकास के लिये भी कार्यवाही कर रहे हैं। नयी पर्यटन नीति पर कार्य चल रहा है एवं पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने हेतु भी कार्यवाही चल रही है। हमने केंद्र की होमस्टे गाइडलाइन्स के आधार पर राज्य में 'होमस्टे एंड बेड-एंड-ब्रेकफास्ट' गाइडलाइन्स तैयार कर जारी की है। इको टूरिज्म पॉलिसी, एडवेंचर गतिविधियों की गाइडलाइन्स, वाटर एक्टीविटी लाइसेंस हेतु गाइडलाइन्स बनाने की भी तैयारी चल रही है।

राज्य में पर्यटन को और गति देने के लिये हमें पर्यटन मंत्रालय से नयी योजनाओं की स्वीकृति की अपेक्षाएँ हैं। स्वदेश दर्शन 2.0 में चयनित डेस्टीनेशंस बिलासपुर एवं जगदलपुर के लिये भारत सरकार के स्तर से कंसल्टेंट नियुक्त किया जाना है। प्रशाद योजना में सूरजपुर जिले के कुदरगढ़ का कांसेप्ट प्लान जमा किया जा चुका है जिसकी स्वीकृति अपेक्षित है। अगले प्रस्तुतिकरण के अनुसार आगे भी नयी योजनाएँ तैयार हो रही हैं जिनके प्रस्ताव जल्द ही पर्यटन मंत्रालय को भेजे जायेंगे।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि निजी सहभागिता एवं निवेश तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के द्वारा निर्मित किये गए हाइवे मोटलों को संचालन एवं प्रबंधन हेतु लीज पर निजी क्षेत्र को सौंपे जाने की कार्यवाही की जा रही है। जिससे पर्यटकों को पर्यटन स्थलों के भ्रमण के दौरान राजमार्गों पर स्तरीय सुविधा उपलब्ध हो सके।

स्थानीय सहभागिता, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के द्वारा चित्रकोट में वन विभाग के सहयोग से नेचर ट्रेल का विकास किया गया है। इसका संचालन स्थानीय महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं के द्वारा किया जा रहा है तथा पर्यटन से उनके लिये अतिरिक्त आय के स्त्रोत बढ़ाने एवं पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, रहन-सहन व खानपान का अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से होमस्टे बेड एंड ब्रेकफास्ट की सुविधा भी प्रदान की जा रही है तथा हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने एवं युवाओं को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में इंस्टीट्युट ऑफ होटल मैनेजमेंट, केटरिंग टेक्नॉलाजी एंड अप्लाइड न्यूट्रिशन संस्थान का संचालन किया जा रहा है।

**मंत्री श्री कश्यप ने राज्य की आगामी 5 वर्षों की योजनाओं से कराया अवगत :** श्री कश्यप ने आगामी 5 वर्षों की राज्य की योजनाएं से अवगत कराया जिसके तहत राज्य के पाँच शक्तिपीठों को जोड़ते हुए सर्किट विकसित करना, स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत बिलासपुर एवं जगदलपुर डेस्टीनेशंस के पर्यटन स्थलों का विकास। प्रशाद योजना के तहत सूरजपुर जिले के माँ कुदरगढ़ी देवी स्थल का विकास कार्य एवं रोपवे की स्थापना शामिल है। इसी तरह नवनिर्मित राजमार्गों एवं बायपास पर पर्यटकों के लिये वेसाइड अमेनिटी विकसित करना। पर्यटन गतिविधियों में स्थानीय लोगों की सहभागिता को बढ़ावा देना। इको टूरिज्म, एग्री टूरिज्म, रूरल टूरिज्म एवं माइस (डब्ल्यू) टूरिज्म को बढ़ावा देना। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की आवासीय इकाईयों को लीज पर निजी क्षेत्र को संचालन हेतु दिया जाना जैसी योजनाएं भी शामिल है। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी, गोवा के पर्यटन मंत्री श्री रोहन खाउंते, मध्यप्रदेश से मंत्री श्री धर्मेंद्र लोधी, राज्यों से आए पर्यटन मंत्रीगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण शामिल थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 31 अगस्त 2024



## संक्षिप्त समाचार

### जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का हुआ शुभारंभ

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** जिले में आज राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोचवाय में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव ने बच्चों को कृमि रोधी दवा एल्बेन्डाजॉल का सेवन करा कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान सरपंच श्री निलाम्बर सोम एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी बच्चों को दवा खिलाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, किशोर - किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार, एनीमिया की रोकथाम, बौद्धिक विकास तथा शाला में बच्चों की उपस्थिति में भी सुधार करना है। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम अंतर्गत जिला गरियाबंद में 2 लाख 42 हजार 516 बच्चों को दवा सेवन कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम की जिला नोडल अधिकारी डॉ. बी बारा ने बताया कि जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफ्लतापूवर्क क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा आपसी समन्वय से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों, शासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं, निजी स्कूलों, अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों, तकनीकी शिक्षा संस्थान, आई.टी.आई.. पालिटेक्निक कालेज, आश्रम, छात्रावास के बच्चों को कृमिनाशक एल्बेन्डाजॉल की नि:शुल्क गोली खिलाई जायेगी। जिसमें 1 से 2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली एवं 2 से 3 वर्ष के बच्चों को 1 गोली पीस करके एवं 3 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एक गोली चबाकर खिलाया जा रहा है। ऐसे बच्चें जिन्हें गोली नही खिलाई गई है, उन्हें मॉप अप दिवस 04 सितम्बर 2024 को खिलाई जायेगी। कार्यक्रम शुभारंभ के अवसर पर डि.एस.ओ. प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एपिडेमियोलाजिस्ट, स्कूल प्राचार्य, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, शिक्षक, सेक्टर सुपरवाईजर, ए. एन.एम. व मितानिन उपस्थिति रहे।

### ध्वनि प्रदूषण के मामले में डीजे संचालक गिरफ्तार

**राजनांदगांव(विश्व परिवार)।** दिनांक 28.08.2024 को रात्रि में लखोली रहवासियों के द्वारा जरिये मोबाईल से सूचना दिया कि लखोली गौठान के पास डीजे संचालक घनश्याम साहू पिता नरेन्द्र साहू उम्र 26 वर्ष साकिन सरस्वती मंच के पास जंगलपुर थाना लालबाग जिला राजनांदगांव (छ0ग0) द्वारा अपने डीआई 207 वाहन क्रमांक सी0जी0-04 एम.क्यु-0609 में डी0जे0 साउड सिस्टम बिना अनुमति के काफी तेज आवाज में बजाया जा रहा है, जिससे आसपास के रहवासियों को काफी परेशानी हो रही है। कि सूचना पर मौका पहुंचकर तस्दीक किया जो डी0जे0 संचालक द्वारा निर्धारित समय सीमा के बाद जिला प्रशासन के बिना अनुमति के देर रात्रि तक डी0जे0 साउण्ड सिस्टम को काफी तेज आवाज में बजाना पाये जाने से मौके पर कब्जे से वाहन डीआई 207 क्रमांक सी0जी0-04 एम.क्यु-0609 मय डी0जे0 साउण्ड सिस्टम के जप्त कर डी0जे0 संचालक के खिलाफ छ0ग0 कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 4, 15 के तहत कार्यवाही की गई, आगे भी डी0जे0 संचालको के खिलाफ आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक एमन साहू, उप निरीक्षक रतन सिंह नेताम एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

### यातायात पुलिस ने विद्यालय में चलाया जागरूकता अभियान

**कोरबा(विश्व परिवार)।** कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा के मार्गदर्शन में शहर में संचालित कोसाबाड़ी स्थित निर्मला स्कूल, न्यू एरा स्कूल और सेंट जेवियर स्कूल में विशेष जागरूकता शिविर अभियान चलाया गया। यातायात विभाग में पदस्थ एएसआई मनोज राठौर के द्वारा स्कूल के प्राचार्य से चर्चा कर नाबालिक बच्चों को वाहन नहीं चलाने के लिए आग्रह किया वही स्कूली बच्चों को यातायात नियम और रोड सेफ्टी के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष अभियान की शुरूआत की। इस अभियान के तहत यातायात पुलिस ने शहर के अलग-अलग स्कूलों में पहुंचकर बच्चों, शिक्षकों, वैन चालक और कंडक्टरों को रोड सेफ्टी के लिए यातायात नियमों की पालना के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर एएसआई ने बताया कि बच्चों से संबंधित सड़क दुर्घटना के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। ऐसे में अभिभावकों और स्कूल बस चालकों, परिचालकों को जागरूक करना जरूरी है। जिससे स्कूल बसों और बच्चों के साथ होने वाले सड़क हादसों में कमी आ सके। इसके मनोज राठौर ने स्कूल बसों का निरीक्षण किया। बस चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस, बस में लगे कैमरे, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, फिटनेस प्रमाण पत्र, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, बीमा के कागजात चेक किए। अगर इन नियमों में किसी भी प्रकार से लापरवाही पाई गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के सभी स्कूलों की बसों को ट्रैफिक पुलिस की ओर से समय-समय पर लगातार जांच की जाएगी।

# लोगों को सर्पदंश के प्रति जागरूक कर वन्यजीव और मानव बचाना प्राथमिकता : कलेक्टर

**भारत में सांप के काटने से होने वाली मौतें अन्य सभी मानव-वन्यजीव संघर्षों से अधिक है**

**जगदलपुर(विश्व परिवार)।** कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि मध्य भारत में पाए जाने वाले जहरीले सांप, उनके जहर से बचाव और प्राथमिक उपचार सहित एंटी वेनम के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक कर वन्यजीव और मानव जीवन को बचाना हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में स्थानीय समुदाय को जागरूक करने के साथ ही पुजारी,गायता,सिरहा आदि पारम्परिक उपचारकर्ताओं तथा बस्तर के सामाजिक संरचना के स्थानीय नेतृत्वकर्ता मांझी, चालकी, नाईक-पाइक की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने सकारात्मक प्रयास की जाए। कलेक्टर विजय ने गुरुवार को वन विद्यालय जगदलपुर में आयोजित तीन दिवसीय सांपों के साथ

सुरक्षित रहवास, पहचान, बचाव और उपचार प्रशिक्षण सह कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। कलेक्टर विजय ने इस कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों से इस मुद्दे को गंभीरतापूर्वक लेने और भविष्य में इस पहल को आगे बढ़ाने पर बल देते हुए कहा कि सांप की पहचान वाली कैटलॉग, ब्रोसर, फ्लेक्स तैयार कर स्कूलों और ग्राम पंचायतों में वितरित किया जाए। साथ ही 112 इमरजेंसी सर्विसेज सेवाओं के साथ जुड़ कर सांप रेस्क्यू करने वालों को शामिल किया जाए और लोगों को सही और वैज्ञानिक उपचार की जानकारी देकर जागरूक किया जाए। वहीं उपचार के लिए स्थानीय पारम्परिक उपचारकर्ताओं को विश्वास में लेकर उनका बेहतर सहयोग लिया जाए। जिला प्रशासन के सहयोग से कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सांप की पहचान, सर्पदंश की रोकथाम और सही उपचार के संबंध में प्रशिक्षण कार्यशाला 30 अगस्त तक चलेगी। इस कार्यशाला का उद्देश्य वन कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों और स्थानीय समुदाय के लोगों को सर्पदंश की घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। इस कार्यशाला का संचालन करते हुए स्नैकबाईट हीलिंग एंड एजुकेशन सोसायटी की अध्यक्ष और संस्थापक प्रियंका कादम ने ग्रामीण और वन क्षेत्रों में सांप के काटने की रोकथाम के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि भारत में सांप के काटने से होने वाली मौतें अन्य सभी मानव-वन्यजीव संघर्षों से अधिक है।कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा, सही प्रोटोकॉल और सर्पदंश के मामलों को प्रभावी ढंग से रोकथाम करने की जानकारी दी गई। साथ ही सांपों की पारिस्थितिकी में उनकी भूमिका और जैव विविधता के संरक्षण के महत्व पर भी चर्चा की गई।

## सीएमएचओ डॉ निराला ने स्कूल में कृमिनाशक गोली खिलाकर अभियान का शुभारंभ किया

**सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)।** कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के निर्देश पर जिले में चलने वाली राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ भटगांव के सागर हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला द्वारा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर किया गया । इस कार्यक्रम में शाला के बच्चों में एलबेंडाजोल गोली सेवन के प्रति भारी उत्साह देखी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएमएचओ ने स्कूली बच्चों को अनिवार्य रूप से कृमि नाशक गोली खाने की सलाह दी। शिक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बिना लापरवाही के जिम्मेदारीपूर्वक सही मात्रा एवं सही विधि से बच्चों को गोली सेवन कराने तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों को इस कार्यक्रम का प्रभावी मॉनिटरिंग करने एवं सभी बच्चों को दवा सेवन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि हमारे वातावरण और रहन-सहन का तरीका ही ऐसा है कि लोगों में कृमि का संक्रमण होता ही है। साथ ही मानव शरीर को पारिस्थितिकी ऐसी है कि स्वास्थ्य के प्रत्येक पहलू एक-दूसरे से संबद्ध है। ऐसे में कृमिनाशक गोली का सेवन नहीं करने से लंबे समय तक कृमि संक्रमण के गंभीर परिणाम होते है। कृमि मुख्यत: मानव आंत को छेद कर आंतरिक रक्तस्राव कराते है, पोषक तत्वों के शोषण में बाधक होते हैं, जिससे कुपोषण, रक्ताल्पता तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा होती है। भविष्य में इनकी गर्भावस्था में ये और भी जटिल हो जाते हैं। अस्वस्थता के इस कड़ी को तोड़ने के लिए साल में दो बार कृमि नाशक गोली का सेवन आवश्यक है। कृमि मुक्ति दिवस को जिले के समस्त स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 से 19 वर्ष बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। किसी कारण वश जिन बच्चों को 29 अगस्त के दिन एलबेंडाजोल की गोली नही खिलाई जा सकी है, उन्हें मॉप अप राउंड 4 सितंबर को एल्बेंडाजोल की गोली अवश्य खिलाएं। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक नंदलाल इजारदार, ज़िला नोडल डॉ नरेंद्र रात्रे स्कूल प्राचार्य, शिक्षकों सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

## जिले में संचालित अटल टिंकरिंग लैब को क्रियाशील रखना अत्यंत आवश्यक - कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल

**लैब के संचालन हेतु नोडल शिक्षकों का 02 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न**

**बालोद(विश्व परिवार)।** कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने शासकीय स्कूलों में संचालित अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में प्रकाश डालते हुए इसे विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में बालोद जिले में अटल टिंकरिंग लैब की संख्या सर्वाधिक है। श्री चन्द्रवाल ने कहा कि जिले में सभी अटल टिंकरिंग लैब को क्रियाशील रखना अत्यंत आवश्यक है। श्री चन्द्रवाल आज बालोद जिले के शासकीय शालाओं में अटल टिंकरिंग लैब के संचालन हेतु नियुक्त किए गए नोडल शिक्षकों की 02 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि यूनिसेफ और समग्र शिक्षा के सहयोग से 27 एवं 28 अगस्त को शासकीय कन्या शाला बालोद में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार 28 अगस्त को समापन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने आशा व्यक्त किया कि इस 02 दिवसीय प्रशिक्षण के उपरांत जिले में अटल टिंकरिंग लैब का समुचित संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। श्री चन्द्रवाल ने प्रशिक्षण के दौरान नोडल शिक्षकों से मिले फीडबैक की भी सराहना की। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री पूजा बंसल ने अटल टिंकरिंग लैब के कुशल संचालन के संबंध में 02 दिवसीय प्रशिक्षण की सराहना की। समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी श्री पीसी मरकले ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रशिक्षकों ने अटल टिंकरिंग लैब के कार्यों एवं उद्देश्यों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से एटीएल प्रभारी शिक्षकों की समस्या-समाधान, डिजाइन थिंकिंग और 21वीं सदी के कौशल में क्षमता निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्रों को स्कूल इनोवेशन मैराथन, इंस्पायर मैराथन और इग्नाइट जैसी आगामी प्रतियोगिताओं के लिए रचनात्मक परियोजनाएँ बनाने में सहायता करना है।

## कलेक्टर ने जनसुविधा यात्री बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

**बीजापुर(विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ शासन के नियद नेल्लानार आपका अच्छा गांव योजना के तहत माओवाद प्रभावित क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। नियद नेल्लानार योजना के तहत सुरक्षा कैम्प के 5 किलोमीटर परिधि के गांवो में सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सभी प्रकार की सुविधाओं का विस्तार तीव्र गति से किया जा रहा है। शासन के इस महत्वाकांक्षी योजना से अंदरूनी क्षेत्रों के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। मुख्यधारा से जुड़कर यहां के ग्रामीण स्वयं के एवं अपने आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए प्रफुल्लित नजर आ रहे है। इसी क्रम में कलेक्टर अनुराग पाण्डेय के दिशा-निर्देश में अति सुदूर क्षेत्र कांवड़गांव, हिरोली, पुसनार, गंगालुर, चेरपाल, पदेड़ा, रेगड़गुट्टा जैसे गांवों के ग्रामीणों को सुगमतापूर्वक जिला मुख्यालय पहुंचाने हेतु जनसुविधा बस को हरीझंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान कलेक्टर अनुराग पाण्डेय एवं सीईओ जिला पंचायत हेमंत रमेश नंदनवार ने जनसुविधा बस में यात्रा कर चिकटराज तक पहुंचे। चिकटराज देव मंदिर में पहुंचकर कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने चिकटराज देव का दर्शन कर जिले की सुख समृद्धि की कामना की, वहीं चिकटराज मंदिर में सीसी सड़क का भूमिपूजन भी किया।

## डीईओ और सहायक संचालक के हवाले स्वामी आत्मानंद स्कूल

**राजनांदगांव(विश्व परिवार)।** स्वामी आत्मानंद स्कूलों के संचालन एवं प्रबंधन हेतु कैबिनेट के निर्णय दिनांक 13 मई 2020 के उपरांत एक समिति का गठन किया गया है, जिसे पंजीकृत भी कराया गया है और यही पंजीकृत समिति स्वामी आत्मानंद स्कूलों का संचालन एवं प्रबंधन करती है, जिसके पदेन अध्यक्ष कलेक्टर होते है, जिसके पदेन सचिव जिला शिक्षा अधिकारी होते है, मुख्य कार्यपालन अधिकारी और आयुक्त नगर पालिक निगम सदस्य होते है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में दस्तावेज साक्ष्य देकर यह आरोप लगाया है कि राजनांदगांव जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद स्कूलों का संचालन डीईओ अभय जयसवाल और सहायक संचालक आदित्य खरे कर रहे है, क्योंकि इन दोनों अधिकारियों के द्वारा ही इन स्कूलों में शासन द्वारा नियुक्त प्राचार्य, व्याख्याओं को हटाया जा रहा है, संलग्न किया जा रहा है, जबकि आत्मानंद स्कूलों को संचालित करने पंजीकृत समिति जिले में निष्क्रिय है, इसलिए कलेक्टर पदेन अध्यक्ष के आंख में धुल झोंककर यह दोनों अधिकारी अध्यापन व्यवस्था के आड़ में गांवों से शिक्षकों को शहरों में ला रहे है और फिर उन शिक्षकों से बाबूगिरी और अफसगिरी कराया जा रहा है। स्वयं के अधिकार से छात्रहित के नाम से व्याख्याताओं को पहले शहर के स्वामी आत्मानंद स्कूल में संलग्न किया जाता है, फिर वे व्याख्याता उस स्कूल में बच्चों को पढ़ाना छोड़ अन्य स्कूल में किसी अन्य कार्यो मे व्यस्त हो जाते है। श्री पॉल ने दुर्ग कमिश्नर और संयुक्त संचालक को बताया है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय राजनांदगांव में एक गिरोह सक्रिय है, जो यह काम कर रहा है और इस गिराह पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज किया जाना जरूरी है, अन्यथा यह गिरोह सुनियोजित ढंग से बच्चों के जीवन व भविष्य के साथ खिलवाड़ करते रहेगा। श्री पॉल ने डीपीआई को बताया कि शासन के नियमानुसार शासन द्वारा नियुक्त व्याख्याताओं को डीईओ और सहायक संचालक नहीं हटा सकते, बावजूद इसके जिले में दो अधिकारी यह काम कर रहे है,ए और जिले में पदस्थ बड़े अधिकारी अपने स्वामी आत्मानंद स्कूलों में इन दोनों अधिकारियों की मनमानी को रोक नहीं पा रहे है, जो चिंता का विषय है। कलेक्टर, सीईओ और निगम कमिश्नर स्वामी आत्मानंद स्कूलों के पंजीकृत समिति में जिम्मेदार अधिकारी होते है, लेकिन डीईओ और सहायक संचालक इन स्कूलों को मनमाने ढंग से संचालित कर रहे है, जो समझ से परे है कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों को प्रबंध और संचालन करने वाली पंजीकृत समिति कहां है।

# किशनपुरी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 149 आवेदन प्राप्त

**131 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण**

**कांकेर(विश्व परिवार)।** जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन आज नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम किशनपुरी में किया गया, जिसमें ग्रामीणों से विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर कुल 149 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में से 131 का शिविर स्थल में ही निराकरण किया गया तथा शेष 18 आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाएगा। कलेक्टर श्री निलेश कुमार क्षीरसागर के निर्देशानुसार शिविर में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपस्थित ग्रामीणजनों को दी गई। शिविर में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मत्स्य कल्याण बोर्ड के

पूर्व अध्यक्ष श्री भरत मटियारा ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार आमजनों की समस्याओं उनके गांव में ही निराकरण के उद्देश्य से जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का सपना है कि किसानों की आय दोगुना हो। इसके लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में कई योजनाएं शुरू की गई है। सभी को इन योजनाओं की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर योजनाओं की जानकारी लें और उसका लाभ उठाएं। जनपद पंचायत कांकेर के अध्यक्ष श्री रामचरण कोर्राम ने भी शिविर को संबोधित किया और ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। ग्राम किशनपुरी में आयोजित शिविर में 05 हितग्राहियों को शिविर स्थल में ही राशन कार्ड बनाकर जनप्रतिनिधियों के हाथों वितरित किया गया। उक्त शिविर में कुल 18 गांव के ग्रामीणजनों से विभिन्न विभागों को कुल 149 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें सबसे ज्यादा 50 आवेदन जनपद पंचायत नरहरपुर को प्राप्त हुआ। इसी प्रकार प्रमुख रूप से राजस्व विभाग को 46 और खाद्य विभाग को 25 आवेदन प्राप्त हुआ। शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों को जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित छत्तीसगढ़ जनमन पत्रिका का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री हेमलाल मरकाम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्री संजय जुर्री, एडीएम श्री जितेन्द्र कुर्रे, कृषि सभापति श्रीमती कांति पटेल सहित विभिन्न गांवों के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 31 अगस्त 2024



## व्यापार समाचार

### अपने ग्राहकों के लिए चैनलों की संख्या बढ़ाते हुए, सैमसंग टीवी प्लस ने आज तक एचडी और द लल्लनटॉप को जोड़ा है

**गुरुग्राम:** भारत में सैमसंग टीवी प्लस, जो विज्ञापन-समर्थित स्ट्रीमिंग टीवी (स्वस्ज्ञ) सेवा है, ने अपने चैनलों में आज तक एचडी और द लल्लनटॉप को जोड़ने की घोषणा की है। सैमसंग टीवी प्लस और टीवी टुडे नेटवर्क के बीच यह साझेदारी दर्शकों को बेहतरीन प्रोग्रामिंग देने और तेजी से बदलती दुनिया में उनकी जरूरतों को पूरा करने की सैमसंग की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। टीवी टुडे नेटवर्क का द लल्लनटॉप और आज तक एचडी का फास्ट चैनल दर्शकों को उनके घर की सबसे बड़ी स्क्रीन पर बेहतरीन और मुफ्त कंटेंट उपलब्ध कराएगा। जैसे-जैसे अधिक परिवार इंटरनेट से जुड़े स्मार्ट टीवी का चुनाव कर रहे हैं, वैसे-वैसे भारत में कनेक्टेड टीवी का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। सैमसंग टीवी प्लस इंडिया में पार्टनरशिप के प्रमुख कुणाल मेहता ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि सैमसंग टीवी प्लस प्लेटफॉर्म पर अपने दर्शकों और विज्ञापनदाताओं को बेहतरीन अनुभव और अधिक पहुंच प्रदान करें। आज तक एचडी और द लल्लनटॉप चैनलों के जुड़ने से दर्शक व्यापार, राजनीति, मनोरंजन और अन्य खबरों से आसानी से जुड़ पाएंगे। टीवी टुडे नेटवर्क के साथ यह साझेदारी हमारी इसी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। टीवीटीएन में डिजिटल बिजनेस के सीईओ सलिल कुमार ने कहा, सैमसंग टीवी प्लस इंडिया पर अपने दो नए फास्ट चैनल लॉन्च करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। यह साझेदारी हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इससे हम अपनी विविध और आकर्षक सामग्री को और भी ज्यादा दर्शकों तक पहुंचा सकते हैं। इनोवेटिव स्मार्ट टीवी प्लेटफॉर्म और कनेक्टेड टीवी दर्शकों के लिए कई विकल्पों के साथ, यह सहयोग हमें अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने और नई तकनीकों को अपनाने वाले लोगों तक पहुंचने में मदद करता है, जिससे हमारा कंटेंट अधिक से अधिक लोगों तक आसानी से पहुंच सके। सैमसंग टीवी प्लस पहले से ही पूरे भारत में लाखों यूजर्स को पूरी तरफसे फ्री 100 से अधिक फास्ट लाइव चैनल और हजारों ऑन-डिमांड फिल्में और टीवी शो का आनंद उठाने का मौका देता है।

### रियलमी 13 सीरीज़ 5जी 17,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में अतुलनीय स्पीड प्रदान करेगा

**नई दिल्ली:** भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित रियलमी 13 सीरीज़ 5जी लॉन्च की। नंबर सीरीज़ में नए स्मार्टफोन के साथ ही रियलमी बड्स टी01 भी पेश किए गए। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी अपनी अतुलनीय स्पीड के साथ स्मार्टफोन उद्योग में परफॉर्मेंस के मानकों को बदल देगी। रियलमी अपनी नंबर सीरीज़ नई टेगलाईन: ''नैक्स्ट-जेन पॉवर'' के साथ पेश कर रहा है। इसका उद्देश्य मिड-रेंज मूल्य वर्ग में पॉवर और परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित करना है। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी नंबर सीरीज़ में अब तक की सबसे शक्तिशाली पेशकश है। इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ''हम रियलमी 13 सीरीज़ 5जी पेश करके बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे सफर में एक बड़ी उपलब्धि है। इस लॉन्च के साथ हम नई टेगलाईन: 'नैक्स्ट-जेन पॉवर' लेकर आए हैं। रियलमी नंबर सीरीज़ में यह हमारे पोर्टफोलियो का केवल एक नया उत्पाद ही नहीं, बल्कि एक गेम-चेंजर है, जो मिड रेंज मूल्य वर्ग में पॉवर और परफॉर्मेंस के नए मानक स्थापित कर रहा है। रियलमी 13 सीरीज़ 5जी नंबर सीरीज़ में अब तक की सबसे शक्तिशाली पेशकश है। हमारा मानना है कि अपने आधुनिक फीचर्स और बेहतर परफॉर्मेंस के साथ यह मिड रेंज स्मार्टफोन के क्षेत्र में हलचल मचा देगा। हमें लोगों के दैनिक जीवन में फ्लैगशिप अनुभव लाने पर गर्व है, जिससे यूज़र्स की अपेक्षाओं से बेहतर असाधारण उत्पाद प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। इस लॉन्च के बारे में अनुज सिद्धार्थ, डायरेक्टर, मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस, मीडियाटेक ने कहा, ''मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी एक फ्लैगशिप ग्रेड की चिपसेट है, जिसमें सर्वश्रेष्ठ 4एनएम प्रक्रिया का उपयोग किया गया है। यह नैक्स्ट जनरेशन की क्षमताओं के साथ पॉवर और एफिशियंसी का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है।''

### एचडीएफसी बैंक ने GIG (गीगा) लॉन्च किया गिग वर्कर्स के लिए उत्पादों का एक संपूर्ण वित्तीय सेट

**मुंबई :** भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने विशेष रूप से गिग वर्कर्स/ फ्रीलांसरों के लिए डिज़ाइन किए गए उत्पादों और सेवाओं का एक संपूर्ण वित्तीय सेट 'गीगा' लॉन्च किया। शुरुआत के तौर पर, बैंक ने फ्रीलांसरों की ज़रूरतों को समझने के लिए एक गहन उपभोक्ता शोध अध्ययन किया, जिसके आधार पर, इसने गीगा लॉन्च किया है - जो एक डिजिटल-फ़र्स्ट प्रोग्राम तथा फ्रीलांसरों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कई तरह के कस्टमाइज़्ड उत्पाद और सेवाएँ प्रदान करता है। गिग इकॉनमी व्हाइट-कॉलर पेशेवरों जैसे प्रबंधन सलाहकार, सॉफ़्टवेयर प्रोग्रामर और डिज़ाइनर, आर्किटेक्ट, निवेश सलाहकार से लेकर ग्रे कॉलर वर्कर तक फैली हुई है जो विशिष्ट व्यावसायिक/तकनीकी विशेषज्ञता रखते हैं ब्लू कॉलर और पिंक-कॉलर वर्कर जिसमें डिलीवरी पार्टनर तथा केयर गिवर भी गिग इकोनॉमी का हिसा है। एचडीएफसी बैंक की गिग बैंकिंग, स्टार्ट-अप और सरकारी एवं संस्थागत व्यवसाय की प्रमुख सुश्री सुनाली रोहरा ने कहा, हमें वित्तीय उत्पादों का एक व्यापक सेट लॉन्च करते हुए खुशी हो रही है, जिसे विभिन्न फ्रीलांसर सेगमेंट की कई गुना ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमारे उत्पादों में एक विशेष बचत खाता, चालू खाता, डेबिट कार्ड, बहुत ही विशेष ऑफ़र वाले क्रेडिट कार्ड, 20 रुपये प्रतिदिन के लिए स्वास्थ्य बीमा और आकर्षक निवेश उत्पाद शामिल हैं, जहाँ वे पारंपरिक एसआईपी और कस्टम रिटेल एसेट उत्पादों के बजाय 'जब चाहें और जितना चाहें' निवेश कर सकते हैं। आय और स्वतंत्रता ही लोगों को इस जीवन शैली को अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है, जो निश्चित रूप से डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और काफी हद तक दूर से काम करने की प्रवृत्ति से प्रेरित है। एक अंदाजे के अनुसार भारत में गिग वर्कर्स की संख्या 30 से 50 मिलियन है और यह सेगमेंट लगातार बढ़ रहा है।

# पीएम मोदी से मिले पत्र ने ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया

**घुड़सवार अनुष अग्रवाल ने कहा**

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** राष्ट्रीय खेल दिवस पर भारतीय घुड़सवार और ओलंपियन अनुष अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने यादगार और प्रेरक अनुभव साझा किए। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले प्रत्येक एथलीट को, जिसमें वो खुद भी शामिल हैं प्रधानमंत्री की ओर से एक विशेष पत्र मिला था। इस पत्र में उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी थीं और उन्हें किसी भी तरह की सहायता के लिए सीधे उनसे संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया था। 2018 एशियाई खेलों में पदक जीतने के बाद उन्होंने पहली बार पीएम मोदी से मुलाकात की और एक यादगार पल साझा किया। अनुष ने कहा, एथलीटों को पेरिस ओलंपिक से महीनों पहले पीएम मोदी से पत्र मिले, जिसमें हमें किसी भी तरह की मदद के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे हमारा मनोबल बढ़ा। उन्होंने पेरिस ओलंपिक से जुड़ा एक अनचाहा किस्सा याद किया जब खिलाड़ियों को बहुत ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ा था। इस पर भारत सरकार ने तुरंत एक्शन लेते हुए एयर कंडीशनर की व्यवस्था की थी। अनुष ने बताया, यहां तक कि ओलंपिक विलेज में बस सेवा के साथ भी मेरा शेड्यूल क्लैश कर रहा था और भारतीय ओलंपिक संघ ने मेरी परेशानियों को दूर करते हुए मेरे लिए विशेष रूप से एक कार उपलब्ध कराई थी। ओलंपिक से पहले प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई बातचीत का एक किस्सा अनुष ने शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे प्रधानमंत्री ने एक अनोखे तरीके से एथलीटों के बीच एक उम्र और अनुभव की दीवार को कम किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कुछ सवाल पूछे, आप में से सबसे युवा कौन है? आप में से कितने पहली बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं? यहां पर किसे 2 या 3 ओलंपिक का अनुभव है? अनुष ने बताया, वह चाहते थे कि अनुभवी एथलीट जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा करें।

## मैं मात्र 16 साल की थी जब पीएम मोदी ने मुझसे कहा था मेरा भविष्य उज्जवल है: मनु भाकर

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भारतीय ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद किया और उनके द्वारा एथलीटों को दी जाने वाली प्रेरणा पर अपना नजरिया पेश किया। 22 वर्षीय मनु ने पेरिस ओलंपिक में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। ये युवा निशानेबाद स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं हैं। साथ ही, मनु खेलों में व्यक्तिगत निशानेबाजी स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भी बनीं। ये युवा निशानेबाद सिर्फ 16 साल की थीं जब उन्होंने 2018 कॉमनवेल्थ

गेम्स में स्वर्ण पदक जीता और पहली बार पीएम मोदी से मुलाकात की थी। मनु ने यह पुराना किस्सा याद करते हुए बताया, उस बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने मुझसे कहा, तुम बहुत युवा हो। तुम इससे भी बड़ी सफलता हासिल करोगी और जब भी तुम्हें किसी चीज की जरूरत हो, तुम मुझसे संपर्क करना। उनके यह शब्द मेरे लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत था। न केवल सफलता के मौकों पर बल्कि असफलता पर भी पीएम मोदी ने मनु का साथ दिया। जब टोक्यो ओलंपिक में कुछ तकनीकी खराबी के कारण मनु पदक जीतने से चूक गईं थीं, जब पीएम ने उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। मनु ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने मुझे आत्मविश्वास से भरे रहने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उनकी यह खासियत है कि वह प्रत्येक खिलाड़ी के बारे में हर बात पर नजर रखते हैं।

## मैं भारतीय बैडमिंटन का विराट कोहली बनना चाहता हूं : लक्ष्य सेन

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की लोकप्रियता सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है. बल्कि दूसरे खेल के खिलाड़ी भी विराट को अपना आदर्श मानते हैं और अपने अपने खेल में उनके जैसी लोकप्रियता और सफलता पाना चाहते हैं. ओलंपिक 2024 में मेडल से चूकने वाले एक युवा खिलाड़ी ने भी ऐसी ही ख्वाहिश जारी की है. युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है. लक्ष्य ने इस इंटरव्यू में कहा कि, मैं आने वाले समय में भारतीय बैडमिंटन का विराट कोहली बनना चाहता हूं. उन्होंने

कुछ किया है.मैं कुछ ऐसा अपने खेल में करना चाहता हूं. बता दें कि लक्ष्य ने हाल ही में ओलंपिक 2024 में भारतीय बैडमिंटन का प्रतिनिधित्व किया था. उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था लेकिन वे मेडल जीतने से चूक गए थे और चौथे स्थान पर रहे थे. भारत में बैडमिंटन का क्रेज लगातार बढ़ रहा है. 2012 में लंदन में हुए ओलंपिक में सायना नेहवाल ने ब्रांज मेडल जीता था. 2016 में पीवी सिंधु ने सिल्वर मेडल जीता. इसके बाद टोक्यो में सिंधु ने कांस्य पदक जीता था. पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में भारत को कोई पदक नहीं मिला. सिंधु जहां बाहर हो गई वहीं लक्ष्य ब्रांज मेडल वाले मैच में बढ़त बनाने के बावजूद जीत हासिल नहीं कर पाए. पेरिस में लक्ष्य से निराशा जरुर मिली है लेकिन ये खिलाड़ी सिर्फ 23 साल का है और मेहनती है. बैडमिंटन को जीने वाला है. इस वजह से हम उम्मीद कर सकते हैं कि 2028 में लांस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक में लक्ष्य कमाल करेंगे और देश को मेडल दिलाएंगे.

# इंडिगो में हुई बड़ी ब्लॉक डील; 11,000 करोड़ रुपए के शेयरों का हुआ सौदा

**मुंबई( एजेंसी )।** बजट एयरलाइन इंडिगो में गुरुवार को 11,000 करोड़ रुपए के मूल्य के शेयरों की ब्लॉक डील हुई है। इसमें 2.3 करोड़ शेयरों का 4,760 रुपए प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर सौदा हुआ है। यह इंडिगो की कुल शेयरहोल्डिंग का 6 प्रतिशत है। इस ब्लॉक डील के बाद इंडियों के शेयरों में गिरावट देखी जा रही है। सुबह 10ः14 पर इंडिगो का शेयर 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,758 रुपए पर था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी के संस्थापक और सह-संस्थापक राकेश गंगवाल द्वारा यह ब्लॉक डील किए जाने की संभावना है। सुबह 9ः15 पर बीएसई पर ब्लॉक डील में 2,26,52,485 शेयरों का 4,762.55 रुपए प्रति शेयर के भाव पर सौदा हुआ। ऐसे माना जा रहा है कि यह ब्लॉक डील गंगवाल की ओर से की गई, क्योंकि जून तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक उनके पास इंडिगो में 5.89 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इससे पहले कुछ रिपोर्ट में बताया गया था कि राकेश गंगवाल एयरलाइन में 6,750 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, यह बाद में कुछ रिपोर्टस में यह राशि बढ़कर 11,000 करोड़ रुपये हो गई थी। मार्केट शेयर के हिसाब से इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय( डीजीसीए) के जनवरी-जुलाई के आंकड़ों के इंडिगों के पास 60.8 प्रतिशत मार्केट शेयर था। वहीं, इस दौरान एयरलाइन ने 5.61 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान पर पहुंचाया। बीते महीने वित्त वर्ष 2024-25 की जून तिमाही के नतीजों में इंडिगो की ओर से 2,728 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया गया था।

### टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी गाड़ियों के लिये व्यापक वित्तपोषण विकल्प देने के उद्देश्य से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी की

**बैंगलोर:** टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने व्यापक और सुलभ वाहन वित्तपोषण समाधानों को सक्षम करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। अभिनव समाधानों के माध्यम से ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और कार स्वामित्व अनुभव को सुव्यवस्थित करने के अपने निरंतर प्रयास में कंपनी ने यह करार किया है। इसका उद्देश्य ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करना और टोयोटा वाहनों को पहले से कहीं अधिक सुलभ बनाने के लिए अभिनव और आकर्षक समाधान प्रदान करना है।

**साझेदारी की मुख्य विशेषताएं:**

खरीदना आसान और पहुंच में: इस साझेदारी से ग्राहकों को निजी उपयोग के लिए खरीदे गए टोयोटा के किसी भी वाहन की ऑन-रोड कीमत पर 90 प्रतिशत तक वित्तपोषण मुहैया कराया जा सकेगा। कर्ज पहले चुकाने और हिसाब खत्म करने के लिए आंशिक भुगतान करने पर अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

**यूनियन व्हीकल स्कीम के तहत फ्लेक्सिबल फाइनेंसिंग :** निजी वाहन के लिए यूनियन व्हीकल स्कीम के तहत फाइनेंसिंग विकल्प ग्राहकों को 84 महीने तक की लचीली अवधि चुनने में मदद करेंगे। इसमें प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें वर्तमान में 8.80 प्रतिशत प्रति वर्ष से शुरू होंगी।

# फ्लिपकार्ट ने उत्तर प्रदेश में अपने परिचालन को दिया विस्तार

**रायपुर ( समय दर्शन )।** नए फुलफिलमेंट सेंटर का उद्देश्य प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 3,600 से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित करते हुए विभिन्न पिन कोड पर डिलीवरी में लगने वाले समय को कम करना और दक्षता को बढ़ाना है वाराणसी में नए ग्रॉसरी फुलफिलमेंट सेंटर और उन्नाव में नॉन-लॉर्ज सेंटर से ग्राहकों को स्थानीय एवं स्थापित ब्रांड्स के बहुमूल्य उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे वर्चुअल उद्घाटन के दौरान उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने राज्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में इस विस्तार की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, फ्लिपकार्ट का उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण निवेश, उभरते औद्योगिक और उद्यमशीलता के केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमाण है। इस पहल को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा सरकार द्वारा अनुकूल कारोबारी माहौल बनाने और नवाचार को बढ़ावा देने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने से उत्तर प्रदेश उद्यमशीलता के विकास और उद्यमों की सफलता के लिए अपार संभावनाएं प्रदान कर रहा है। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश ई-कॉमर्स को अपनाने और विक्रेताओं के सशक्तीकरण के मामले में अग्रणी राज्यों में से एक बन गया है। हमारे रणनीतिक निवेश और विस्तृत मार्केटप्लेस इकोसिस्टम के साथ हमारा लक्ष्य उत्तर प्रदेश में स्थानीय समुदायों, एमएसएमई, किसानों एवं संबद्ध व्यवसायों को डिजिटल इकोसिस्टम में कदम रखने के उनके सफर में समर्थन प्रदान करते हुए सशक्त करना है। लगातार बढ़ते फुलफिलमेंट सेंटर के नेटवर्क के साथ बुनियादी ढांचे को विस्तार देने के प्रयासों से ग्राहकों तक तेज और अधिक विश्वसनीय तरीके से डिलीवरी सुनिश्चित होगी। फ्लिपकार्ट समर्थ, समर्थ कृषि और राज्य में नए एफ्सी की लॉन्चिंग जैसी पहलों के माध्यम से फ्लिपकार्ट रोजगार के हजारों अवसर पैदा कर रहा है, जिससे 2027 तक उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य में मदद मिल रही है। विभिन्न शहरों में एफ्सी खोलना ग्राहकों की बदलती एवं बढ़ती जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।


**कार्यालय अधीक्षण अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग, कांकेर मण्डल, कांकेर**
Email - scpwdkanker.2010@rediffmail.com / sc.kanker@nic.in , Fax No. 07868-224040

**-: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना :-**

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित सड़क कार्य हेतु दिनॉक 13.09.2024 समय 17:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदाऐं आमंत्रित की जाती है :-

| क्र0 | एन.आई.टी. नंबर | टेण्डर नंबर | कार्य का नाम | अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 01 | 57 | 158039 | पखांजूर अनुविभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य। | 169.35 लाख |
| 02 | 58 | 158040 | राजनांदगांव –बैलाडिला मार्ग के कि.मी.124 से 165 = 34.30 कि.मी. में बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य एवं अंतागढ़– बेड़मा मार्ग के कि.मी. 0.00 से 35 = 2.60 कि.मी. में बी.टी. पेंच मरम्मत एवं विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.बी.एम. /डब्ल्यू.एम.एम कार्य। | 114.48 लाख |
| 03 | 59 | 158041 | नारायणपुर उपसंभाग क्र. 02 के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम एव बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य। | 60.00 लाख |
| 04 | 60 | 158042 | नारायणपुर उपसंभाग क्र. 01 के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम एव बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य। | 60.00 लाख |
| 05 | 61 | 158043 | उपसंभाग केशकाल के अंतर्गत मुख्य जिला मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम एव बी. टी. पेंच मरम्मत कार्य। | 130.43 लाख |
| 06 | 62 | 158044 | उपसंभाग केशकाल के अंतर्गत ग्रामीण मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेंच मरम्मत कार्य। | 29.47 लाख |

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञिप्त, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेव पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय बेवसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।

ठेकेदार का हॉट मिक्स प्लांट होना अनिवार्य है।

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि – 13.09.2024 है।

नोटः- द्वितीय आमंत्रण

G-242502048/2

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग कांकेर
मण्डल कांकेर

## छत्तीसगढ़ में अब तक 908.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**रायपुर (विसं)।** राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 908.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 30 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1881.6 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 506.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

# कैरियर निर्माण में धार्मिक संस्कारों को सदैव आत्मसात रखें

## जैन यूथ मीट एवं कैरियर काउंसलिंग 'आरंभ-02' का आयोजन

## बाल ब्रह्मचारी सुनील भैया जी सहित श्रीमती ऋतु जैन, वासु जैन, अंशिका जैन, डॉ. प्रणय जैन, अद्यायसा पटनायक, शिवली श्रीवास्तव ने दिए सफल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण टिप्स

























**रायपुर ( विश्व परिवार )।** श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर समिति द्वारा जैन यूथ मीट एवं करियर काउंसलिंग 'आरंभ-02' का आयोजन स्थानीय वृंदावन हॉल में गत दिवस संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में जैन समाज के बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपनी भावी शिक्षा हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा मंगलदीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

बाल ब्रह्मचारी श्री सुनील भैया जी के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में आयोजित करियर काउंसलिंग संबंधी इस द्वितीय शिविर आरंभ-2 में मुख्य अतिथि श्रीमती रितु अमिताभ जैन, डॉ. प्रणय डा.शेफाली जैन रहे। नारायणपुर के एसडीएम श्री वासु जैन (आईएएस) एवं श्रीमती अंशिका जैन (आईपीएस) ने ऑनलाइन जुड़कर आयोजन में अपने विचार व्यक्त किये। करियर काउंसलर के रूप में अध्यसा पट्टनायक एवं शिवली श्रीवास्तव ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर अपने प्रेरणा-प्रद संबोधन में ब्रह्मचारी भैया श्री सुनील जैन जी ने खुद की पहचान बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खुद से बड़ा शिक्षक कोई नहीं होता अत: स्वयं को पहचाने साथ ही अपने अभिरुचि के अनुसार शिक्षा ग्रहण करें। आपने अभिरुचि को जीवन का एक महत्वपूर्ण दर्शन बताया।

भैया जी ने कहा कि हमें जीवन में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए लेकिन अति-आत्मविश्वास नुकसानदायक हो सकता है। आपने कहा कि हमें अपने कैरियर के लिए ऐसा रास्ता चुनना चाहिए जिसमें हमें संतोष प्राप्त हो जो हमें अंदर से आल्हादित करता हो ऐसा मार्ग चुने से परिणाम बहुत ही सकारात्मक रहते हैं साथ ही आपने कहा कि दृढ़ संकल्प करने के पहले भले ही आप कई बार विचार करें लेकिन जब एक बार आपने संकल्प कर लिया तो फिर पीछे ना हटते हुए पूरी शक्ति के साथ उसे संकल्प को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए, आपको सफलता निश्चित ही रूप मिलेगी।

भैया जी ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम अपने आसपास ऐसा सर्किल बनाएं जिससे हमारी आंतरिक शक्ति में विकास हो हम ऐसे लोगों से ही मिले जो हमारी शक्ति व समझ को आगे बढ़ाने में सहायक हो सकते हो। जीवन में भरपूर धूप ले। नए मित्र बनाएं। नई सोच के साथ आगे बढ़े।

आपने कहा कि आज कल व्हाट्सएप पर तमाम मैसेज देख लेने के बाद कुछ भी याद नहीं रहता जबकि आप यदि किताब का अध्ययन करते हैं और उसके विचार को अपने दिमाग में रख लेते हैं तो वह जीवन पर्यंत आपको स्मरण में बना रहता है। साथ ही आपने कहा कि जीवन में जोखिम उठाने की क्षमता भी विकसित करनी होगी क्योंकि समय के अनुसार नहीं चलने पर आप पीछे रह जाएंगे साथ ही जोखिम उठाऐंगे तो निश्चित रूप से उसके दूरगामी परिणाम अच्छे आएंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाज सेविका श्रीमती ऋतु अमिताभ जैन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समय की आवश्यकता है। इससे बच्चों को जो मार्गदर्शन मिलेगा वह जीवन में उन्हें मजबूती से खड़े रहने में सहायक होगा। पढ़ाई के साथ अतिरिक्त गतिविधियों को किया जाना बहुत जरूरी है। आपने संस्कारों पर जोर देते हुए कहा कि हमें अपने परिवार, धर्म, गुरुओं से मिले हुए संस्कारों को सदैव आत्मसात रखना चाहिए क्योंकि पेड़ों में भी मौसम आने पर पत्ते तो बदल जाते हैं लेकिन उनकी जड़ें वही रहती हैं। हमें घर परिवार से मिली संस्कारों की नींव जितनी मजबूत होगी हमारा भावी जीवन का भवन भी उतना ही मजबूत होगा। आपने कहा कि स्वयं पर विश्वास रखिए अच्छे मित्र बनाया और तनावपूर्ण वातावरण में रहकर शिक्षा परीक्षा में सहभागिता कीजिए आपको अवश्य ही अच्छे करियर में सफलता मिलेगी।

अतिथि डॉक्टर प्रणय जैन ने कहा कि हमें किसी भी विषय को बार-बार पढ़ना चाहिए वह विषय हमें याद हो जाएगा। जीवन में कैरियर निर्माण हेतु दो-तीन वर्ष की कडी मेहनत सफल जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। आपने कहा कि धर्म के साथ जुड़े रहना अति आवश्यक है एवं जीवन में कमाया हुआ धन हमें धार्मिक कार्यों में अवश्य ही दान करना चाहिए जिससे धन एवं मन शुद्ध होती है।

आयोजन में ऑनलाइन जुड़े नारायणपुर के परगना अधिकारी श्री वासु जैन (आईएएस) एवं श्रीमती अंशिका जैन (आईपीएस) ने जैन धर्म की पहचान देव दर्शन, पानी छानकर पीना एवं रात्रि भोजन न करना आदि विशेषताओं के साथ जीवन में त्याग एवं सदविचारों के साथ स्वाध्याय को जीवन का अंग बनाकर चलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि करियर बनाने की दिशा में आप अपने अनुकूलता से विषय को चुने लेकिन मूलभूत धर्म के सिद्धांतों को ना छोडे। आपने भोजन में शुद्धता पर विशेष रूप से जोर दिया और कहा कि भोजन की शुद्धता मन की शुद्धता लाती है और उससे अच्छे विचार आते है जो आपको अपने अच्छे करियर बनाने में सहयोगी रहते है।

इससे पूर्व करियर काउंसलर अध्यसा पट्टनायक एवं शिवली श्रीवास्तव ने उपस्थित बच्चों को उनके प्रश्नों का उत्तर देते हुए बेहतर भविष्य निर्माण एवं शिक्षा की सही दिशा चुनने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने बच्चों के साथ उनके माता-पिता द्वारा भी की पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए सब की शंकाओं का समाधान किया। आगामी 1 सितंबर को श्री शंकर नगर दिगंबर जैन मंदिर में निजी रूप से काउंसलिंग हेतु शिविर का अगला चरण संपन्न होगा।

इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर के अध्यक्ष श्री मनीष जैन ने सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। श्री प्रदीप जैन विश्व परिवार द्वारा अतिथियों को पौधे भेंट कर सम्मान किया।

संगोष्ठी में आभार प्रदर्शन श्री अरविंद पहाड़िया श्रीमती डॉ नीना द्वारा किया गया।

संचालन श्री विजय कस्तूरे द्वारा किया गया।

समारोह को सफल बनाने में श्रीमती माया जैन, श्री अमिताप जैन, श्री अजय जैन, श्री अमित जैन, श्री संदीप बंडी, श्री प्रतीक जैन, श्री संतोष जैन, श्रीमती बंडी, श्री मती पल्लवी जी, श्री सुधांशु जैन, श्री सुजीत जैन, श्री स्नेह श्री जतिन जैन आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

## संक्षिप्त समाचार

### गोंदिया एवं छपरा के मध्य दो फेरो के लिए छठ पूजा स्पेशल ट्रेन की सुविधा

**गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, अनूनपुर, शहडोल एवं उमरिया के मध्य दपूम रेलवे के यात्री लाभान्वित**

**बिलासपुर ( विश्व परिवार )।** छठ पूजा के दौरान ट्रेन में होने वाली अतिरिक्त भीड़-भाड़ के दौरान रेल यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ/सीट की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु गोंदिया एवं छपरा के मध्य दो फेरे के लिए 08895/08896 गोंदिया-छपरा-गोंदिया छठ पूजा स्पेशल ट्रेन व्हाया बिलासपुर, कटनी, प्रयागराज के मार्ग से चलाई जा रही है। यह गाड़ी 08895 गोंदिया-छपरा छठ पूजा स्पेशल ट्रेन से गोंदिया से दिनांक 03 एवं 04 नवम्बर, 2024 को चलेगी। इसी प्रकार विपरीत दिशा में भी 08896 छपरा-गोंदिया छठ पूजा स्पेशल ट्रेन छपरा से दिनांक 04 एवं 05 नवम्बर, 2024 को चलेगी। इस गाड़ी में 04 सामान्य, 10 स्लीपर, 02 एसी थ्री, 02 एसी टू एवं 02 एसएलआर सहित कुल 20 कोच रहेंगे। **इस गाड़ी की विस्तृत समय सारिणी इस प्रकार है-**

| 08895 गोंदिया-छपरा छठ पूजा स्पेशल ट्रेन | | ↓ स्टेशन ↑ | 08896 छपरा-गोंदिया छठ पूजा स्पेशल ट्रेन | |
|---|---|---|---|---|
| पहुंच | रवाना | | पहुंच | रवाना |
| --- | 20.00 | गोंदिया | 22.30 | ---- |
| 20.56 | 20.58 | डोंगरगढ़ | 19.41 | 19.43 |
| 21.20 | 21.22 | राजनांदगांव | 19.16 | 19.18 |
| 22.05 | 22.10 | दुर्ग | 18.50 | 18.55 |
| 23.00 | 23.05 | रायपुर | 17.40 | 17.45 |
| 23.53 | 23.55 | भाटापारा | 16.26 | 16.28 |
| 01.00 | 01.10 | उसलापुर | 15.30 | 15.40 |
| 02.20 | 02.28 | पेंड्रारोड | 13.24 | 13.26 |
| 03.05 | 03.07 | अनूपपुर | 12.39 | 12.44 |
| 03.40 | 03.50 | शहडोल | 11.54 | 12.04 |
| 04.43 | 04.45 | उमरिया | 10.58 | 11.00 |
| 06.40 | 06.50 | कटनी | 09.15 | 08.25 |
| 07.33 | 07.35 | मैहर | 08.05 | 08.07 |
| 08.01 | 08.03 | सतना | 07.35 | 07.40 |
| 10.00 | 10.02 | मानिकपुर | 06.28 | 06.30 |
| 10.39 | 10.41 | शंकरगढ़ | 04.50 | 04.52 |
| 11.45 | 12.05 | प्रयागराज | 03.35 | 04.00 |
| 13.40 | 13.50 | बनारस | 02.00 | 02.10 |
| 15.25 | 15.30 | गाजीपुर सिटी | 00.20 | 00.25 |
| 16.40 | 16.45 | बलिया | 23.20 | 23.25 |
| 19.00 | ----- | छपरा | --------- | 22.15 |

### जोन-7 के अंतर्गत बकायादारों से राजस्व वसूली

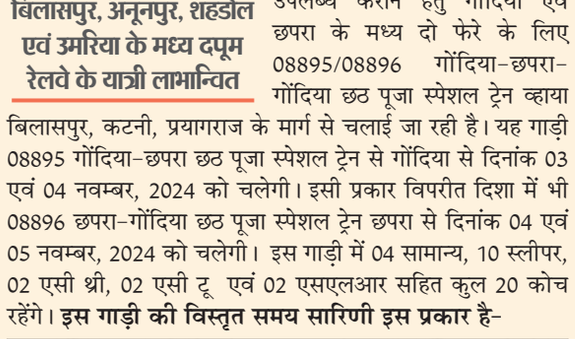



**रायपुर ( विश्व परिवार )।** राजस्व विभाग जोन क्रमांक 7 के द्वारा आज बकायादारो की दुकान में सीलिंग की कारवाई की गई। इस दरमियां वार्ड क्रमांक 23 के बुद्धि सागर साहू से 46300 रुपए अभिजीत दास से 39639 रुपए पवन से 454000 रुपए प्रमीद नियोगी से 159150 रुपए तथा वार्ड क्रमांक 39 समता कॉलोनी से आशीष डीडवानिया से 223000 रुपए तथा फणीश्वर निषाद वार्ड क्रमांक 23 से 222330 रुपए , वार्ड क्रमांक 38 से संजय ठाकुर से 137736 रुपए कार्यवाही के दरमियान प्राप्त हुआ।

## केन्द्रीय पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में पश्चिमी व मध्यवर्ती तथा संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन पणजी गोवा में सम्पन्न

**मंत्री केदार कश्यप ने राज्य की आगामी 5 वर्षों की योजनाओं से अवगत कराया**

**राज्य में पर्यटन के विकास के लिए केंद्र से संसाधन एवं समर्थन की मांग की**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में पश्चिमी और मध्यवर्ती राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन गोवा के पणजी में आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप ने भी भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन विकास की संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा करना था। इस मौके पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने पर्यटन क्षेत्र में सुधार और नए आयाम जोड़ने के लिए विभिन्न राज्यों से सहयोग और समर्थन का आह्वान किया।

पर्यटन की समग्र प्रगति और विकास हेतु सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा गोवा में पश्चिमी तथा मध्यवर्ती राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र के पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन का आयोजन किया गया। ताकि पर्यटन क्षेत्र के लिए संकल्पना निर्माण तथा विचार-विमर्श किया जा सके और एक साझा विजन तैयार किया जा सके।

इस बैठक में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के विकास, वैकल्पिक गंतव्यों के विकास, मार्केटिंग और संवर्धन, पर्यटन क्षेत्र में कनेक्टिविटी, स्वच्छता, व्यवसाय करने की सुविधा और सुगमता में सुधार के साथ-साथ पर्यटन में निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने संबंधी उत्कृष्ट कार्य पद्धतियों को साझा करने पर फोकस किया गया। सम्मेलन में राज्यों के प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्र, वैकल्पिक गंतव्य, मार्केटिंग और संवर्धन, व्यवसाय करने की सुगमता और निजी निवेश तथा स्वच्छता तथा पर्यटक सुरक्षा जैसे विषयों को शामिल किया गया।

छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ में पर्यटन के विकास की संभावनाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन स्थलों की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की, साथ ही विकास की राह में आने वाली चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया। मंत्री श्री कश्यप ने केंद्र से समर्थन और संसाधनों की मांग की ताकि छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा सके। -शेष पेज 5 पर

## राजधानी रायपुर में पर्युषण पर्व सहित अन्य पर्वों पर मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित




**रायपुर ( विश्व परिवार )।** रायपुर नगर पालिक निगम ने आगामी धार्मिक पर्वों के दौरान मांस और मटन विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। यह प्रतिबंध पर्युषण पर्व, श्री गणेश चतुर्थी, डोल ग्यारस, अनंत चतुर्दशी, और संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा पर्व के अवसर पर लागू रहेगा।

### प्रमुख तिथियां

पर्युषण पर्व का प्रथम दिवस- 31 अगस्त 2024, श्री गणेश चतुर्थी- 7 सितम्बर 2024, पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस- 8 सितम्बर 2024, डोल ग्यारस- 14 सितम्बर 2024, अनंत चतुर्दशी- 17 सितम्बर 2024, संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा पर्व- 18 सितम्बर 2024।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार, रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी किया है कि इन तिथियों पर रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह और सभी मांस-मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखा जाएगा।

किसी भी दुकान में मांस-मटन का विक्रय करते पाए जाने पर संबंधित मांस-मटन को जप्त करने के साथ-साथ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिक निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक इन आदेशों के अनुपालन की निगरानी करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री न हो। यह प्रतिबंध धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए और नगर में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से लगाया गया है।

## छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनी से ईडी अशोक कुमार वर्मा की भावभीनी विदाई

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा को सेवानिवृत्ति पश्चात् भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश शुक्ला एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर सहित कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य अभियंतागण उपस्थित थे। प्रबंधक निदेशकगणों ने सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक श्री वर्मा को प्रतीकात्मक भेंट एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशकगण श्री शुक्ला एवं श्री कंवर ने अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त ईडी श्री वर्मा के कार्यों की सराहना करते हुए उनके योगदान को कंपनी हित में बहुमूल्य निरूपित किया। उनके द्वारा कंपनी हित में किये गये कार्यों की उन्होंने प्रशंसा की एवं उनकी बेहतर कार्यशैली से पॉवर कंपनी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए साधुवाद दिया एवं सुखद सेवानिवृत्ति के लिए शुभकामनाएं दी। ईडी श्री वर्मा ने सेवायात्रा के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी प्रकार भार प्रेषण केन्द्र में आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में निज सचिव श्रीमती उमा शर्मा, रायपुर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री दिलीप कुमार देवांगन, भिलाई, लाईन परिचारक श्रेणी एक श्री मकरध्वज साहू, कोरबा एवं लाईन परिचारक श्रेणी एक श्री अयोध्या प्रसाद जायसवाल, बिलासपुर को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल एवं सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी ने किया।

### वार्ड क्रमांक-35 के यादव पारा में सड़क चौंड़ीकरण कार्य का हुआ भूमिपूजन

**रायपुर ( आरएनएस )।** रायपुर निगम के एमआईसी सदस्य व पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्रमांक-35 के पार्षद आकाश तिवारी ने वार्ड के यादव पारा क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354